दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

शादी में जरूर आना का नया ट्रेलर ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 06 मार्च 2025
वर्ष: 12 अंक: 81 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

हाथरस भगदड़: सदन में पेश हुई न्यायिक जांच रिपोर्ट

आयोजकों के साथ पुलिस और प्रशासन भी रहे जिम्मेदार

लखनऊ। हाथरस में 2 जुलाई 2024 को सूरज पाल उर्फ भोले बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ के लिए गठित न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट बुधवार को विधानसभा व विधान परिषद के पटल पर रखी गई। रिपोर्ट में घटना के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ आयोजकों को भी जिम्मेदार ठहराया गया है। जांच में सामने आया कि कार्यक्रम की अनुमति देने में पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने गंभीरता नहीं बरती और केवल कागजी खानापूर्ति की गई। रिपोर्ट में घटना में भोले बाबा की भूमिका को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। गौरतलब है हाथरस की सिकंदराराऊ तहसील के गांव फुलरई मुगलगढ़ी में हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में खासकर सिकंदराराऊ के तत्कालीन एसडीएम, सीओ, प्रभारी निरीक्षक और पूरा कचौरी पुलिस चौकी के इंचार्ज की लापरवाही का उल्लेख किया है, जिन्होंने कार्यक्रम के बारे में उच्चाधिकारियों को सूचित नहीं किया और मार्गदर्शन नहीं लिया। आयोग ने जांच में पाया कि पुलिस और प्रशासन के किसी भी अधिकारी ने कार्यक्रम स्थल का भ्रमण करने की जहमत तक नहीं की थी। घटना से पहले कार्यक्रम के आयोजन की सूचना आईजी रेंज अलीगढ़, मंडलायुक्त अलीगढ़ और एडीजी जोन आगरा को भी नहीं दी गई। सारी व्यवस्था आयोजकों और सेवादारों के हाथ में सुपुर्द कर पुलिस-प्रशासन बेफिक्र हो गया था। कार्यक्रम से जुड़ी सारी अनुमतियां भी अधिकारियों ने एक दिन के भीतर ही प्रदान कर दी थीं। इतना ही नहीं, हाथरस के डीएम और एसपी को भी कार्यक्रम की सूचना एक दिन पहले रात में मिली थी। कार्यक्रम अनुमति और शर्तों के मुताबिक हो रहा है कि नहीं, इसे परखने का प्रयास तक नहीं हुआ। नतीजतन 80 हजार लोगों के एकत्र होने की अनुमति वाले कार्यक्रम में 2.50 से 3 लाख लोगों की भीड़ जुटी, जिससे सारी व्यवस्थाएं धराशायी हो गईं।

युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता पर्यटन

पीएम मोदी बोले: बजट में विकसित भारत का खाका सामने आया

नई दिल्ली। बजट के बाद रोजगार पर वेब गोष्ठी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों में और नवाचार आधारित विषयों में निवेश करना विकसित भारत की रूपरेखा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बजट 2025-26 में विकसित भारत का खाका सामने आया है। इसमें बुनियादी ढांचे और कौशल विकास को समान महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता है। इस क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। हमें प्रतिभा को बढ़ावा देने कौशल विकास और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एआई शोध के लिए एक राष्ट्रीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा और इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा जाएगा। रोजगार सृजन को महत्व देते हुए सरकार ने 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस बजट में 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की है। हम अगले 5 सालों में मेडिकल लाइन में 75 हजार सीटें जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टेली-मेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। डे-केयर कैंसर सेंटर और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा के जरिए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लास्ट माइल तक पहुंचाना चाहते हैं। मोदी ने कहा कि इस बजट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। देश भर में पर्यटन के लिए 50 गंतव्य पर फोकस करते हुए विकसित किया जाएगा। इन गंतव्य में होटलों को आधारभूत संरचना का दर्जा दिए जाने से पर्यटन में आसानी बढ़ेगा, स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के माध्यम से भारत की समृद्ध पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने की घोषणा बहुत ही अहम है। इस मिशन के माध्यम से एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को डिजिटल फॉर्म में बदला जाएगा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि फरवरी में ही भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर एक के शानदार टिप्पणियों भी हम सबके सामने हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2015 से 2025 के बीच के 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने 66% की ग्रोथ दर्ज की है। भारत अब 3.8 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया है। ये ग्रोथ कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से भी ज्यादा है। वो दिन दूर नहीं जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा।

यूपी विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा पर लगा बैन

स्पीकर ने कहा- अब खाया तो...

लखनऊ। यूपी विधानसभा में पान-मसाला थूकने की घटना के एक दिन बाद सदन के अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा पर बैन लगा दिया है। साथ ही एक हजार जुर्माने का भी प्रावधान रखा गया है। सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा का सेवन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। यदि कोई भी व्यक्ति विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा का सेवन करता है, तो उन पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और उनके खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मंगलवार को स्पीकर सतीश महाना उस समय क्रोधित हो गए जब उन्होंने देखा कि विधानसभा के मुख्य द्वार पर किसी ने थूक दिया था। महाना ने जहां विधानसभा कर्मचारियों को दाग साफ कराने का आदेश दिया, वहीं उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया। महाना ने कहा कि सुबह मुझे सूचना मिली कि हमारी विधान सभा के इस कक्ष में किसी सदस्य ने पान मसाला खाकर थूक दिया है। इसलिए, मैं यहां आया और इसे साफ करवाया। मैंने विधायक को वीडियो में देखा है। लेकिन मैं किसी भी व्यक्ति को अपमानित नहीं करना चाहता। इसलिए मैं उनका नाम नहीं ले रहा हूं। महाना ने साफ तौर पर कहा कि मैं सभी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि अगर वे किसी को ऐसा करते हुए देखें तो उन्हें रोकें। इस विधानसभा को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है। जब किसी ने उनसे विधायक का नाम पूछा तो अध्यक्ष महाना ने कहा कि बेहतर होगा कि संबंधित विधायक अपनी गलती स्वीकार कर लें।

कोर्ट में पेश न होने पर राहुल गांधी पर 200 रुपये का जुर्माना, 14 अप्रैल को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली। राहुल गांधी के आज अदालत में पेश होने की उम्मीद थी, लेकिन उनके वकील ने पूर्व प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए छूट की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में कहा गया है कि विपक्ष के नेता के रूप में गांधी ने एक विदेशी गणमान्य व्यक्ति के साथ पूर्व-निर्धारित बैठक की, जिससे उनके लिए अदालती कार्यवाही में भाग लेना असंभव हो गया। दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने उनके छूट अनुरोध को खारिज कर दिया और गैर-उपस्थिति के लिए 200 रुपये का जुर्माना लगाया।

यूपी भेजिए, ढंग से इलाज कर देंगे

अबू आजमी पर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अबू आजमी के विवादित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ढलोहिया से ज्यादा औरंगजेब समाजवादी पार्टी के आदर्श हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली उनकी हालिया टिप्पणी पर विवाद के बीच महाराष्ट्र विधानसभा से पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के औरंगजेब पर दिए गए बयान पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उस व्यक्ति को (समाजवादी) पार्टी से निकालो और यूपी भेजो, हम उसका इलाज करेंगे।

मणिपुर के तीन जिलों में 16 हथियार सुरक्षा बलों को सौंपे गए

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर के तीन घाटी जिलों में लोगों ने 16 प्रकार के आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद सुरक्षा बलों को सौंपे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य के लोगों से लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को सात दिनों के भीतर स्वेच्छा से सौंपने का आग्रह किया था और आश्वासन दिया था कि उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। बाद में उन्होंने पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों के लोगों की मांग पर समय सीमा छह मार्च शाम चार बजे तक के लिए बढ़ा दी थी। अधिकारियों ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में राज्य पुलिस की कमांडो इकाई को सौंपे गए आग्नेयास्त्रों में दो एसएलआर राइफल, खाली मैगजीन, एक इंसास राइफल, .303 राइफल, एक हथगोला और गोलियां शामिल थे। जिले के कुम्बी और फोगाकचाओ इखाई पुलिस थानों में लोगों ने स्थानीय रूप से निर्मित दो बोल्ट एक्शन राइफल, देसी पिस्तौल और एक एसएमजी कार्बाइन सुरक्षा बलों को सौंपे। इम्फाल पूर्व में तीन पिस्तौल, गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा और तीन ग्रेनेड राज्य पुलिस की कमांडो इकाई तथा पोरोम्पट, एंड्रो और इरिलबुंग पुलिस थानों में सौंपे गए। अधिकारियों ने बताया कि हथियार, गोलाबारूद और रेडियो सेट इम्फाल पश्चिम जिले के मयांग इम्फाल पुलिस थाने में जमा करा दिए गए।

भाषा विवाद के बीच कमल हासन का केंद्र पर निशाना

बोले- देश को हिंदिया बनाने की हो रही कोशिश

चेन्नई। अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने बुधवार को चल रहे भाषा विवाद में एमके स्टालिन के रुख का समर्थन किया और केंद्र पर गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपकर भारत को हिंदिया बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उनकी टिप्पणी तमिल पार्टियों की एक बैठक में भाग लेने के दौरान आई जहां हिंदी थोपने और परिसीमन के खिलाफ एक प्रस्ताव अपनाया गया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा गया। अभिनेता सीएम स्टालिन के नेतृत्व में 50 से अधिक तमिल राजनीतिक दलों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। पार्टियों ने सामूहिक रूप से पीएम मोदी को एक संयुक्त प्रस्ताव सौंपा, जिसमें आश्वासन दिया गया कि कोई भी परिसीमन अभ्यास, यदि अब आयोजित किया जाता है, तो 1971 की जनसंख्या के आंकड़ों पर आधारित होगा और अगले 30 वर्षों तक अपरिवर्तित रहेगा। उन्होंने तर्क दिया कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया है, उन्हें दंडित नहीं किया जाएगा और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। हासन ने कहा कि केंद्र सरकार कोशिश कर रही है कि सभी राज्य हिंदी बोलें और बहुमत से चुनाव जीतें। हमारा सपना है इंडिया और उनका है हिन्दिया। हासन की टिप्पणी 2019 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के हिंदिया तंज की तर्ज पर थी, जब अमित शाह ने हिंदी दिवस पर कहा था कि यह एक भाषा है जो दुनिया में भारत की पहचान को चिह्नित करती है।

गोदावरी जल योजना के बारे में तेलंगाना को चिंता करने की जरूरत नहीं: नायडू

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तेलंगाना के लोगों को आश्वासन दिया कि गोदावरी नदी के पानी को पोलावरम से बानाकाचेरला की ओर मोड़ने की उनकी सरकार की योजना के बारे में उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल उस अतिरिक्त पानी का उपयोग करना है जिसका इस्तेमाल नहीं किया गया तो वो समुद्र में बह जाएगा। विधान परिषद के दो स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में हुए चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की जीत का जश्न मनाने के लिए वे आयोजित पार्टी बैठक में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक राजनीतिक पार्टी समुद्र में बह रहे पानी को बचाने की आंध्र प्रदेश की रणनीति का राजनीतिकरण कर रही है। नायडू ने कहा, "मैं फिर से अपील कर रहा हूं कि जब समुद्र में बहने वाले पानी को अकालग्रस्त क्षेत्र में ले जाया जाता है तो किसी को बुरा नहीं लगना चाहिए। सभी को इसके बारे में सोचना चाहिए।" उन्होंने कहा कि कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि आंध्र प्रदेश को समुद्र में जाने वाले पानी का मार्ग बदलने का क्या अधिकार है। नायडू ने आश्चर्य व्यक्त किया कि तेलुगु समाज किस ओर जा रहा है। पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना का लक्ष्य पोलावरम में गोदावरी नदी से 200 टीएमसी बाढ़ के पानी को एक नहर के माध्यम से नंदयाल जिले के बनकाचेरला तक पहुंचाना है। इस परियोजना की लागत 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की है, जिससे 80 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध होगा और तीन लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी।

ग्रीनलैंड हमारा है, इसे खरीदा नहीं जा सकता, पीएम एगेडे का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को सख्त जवाब

ग्रीनलैंड के प्रधान मंत्री मुटे बौरुप एगेडे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस क्षेत्र का अधिग्रहण करेगा। उन्होंने कहा, हम बिक्री के लिए नहीं हैं। एगेडे ने यह बयान कांग्रेस में ट्रंप के संबोधन के बाद दिया, जहां उन्होंने दावा किया कि उनका प्रशासन किसी न किसी तरह ग्रीनलैंड को सुरक्षित करने के लिए काम कर रहा है। प्रधान मंत्री ने एक फेसबुक पोस्ट में ग्रीनलैंड की संप्रभुता और आत्मनिर्णय पर जोर देते हुए जवाब दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि "ग्रीनलैंड हमारा है" और इसे खरीदा नहीं जा सकता। उन्होंने बुधवार को फेसबुक पर ग्रीनलैंडिक और डेनिश में एक पोस्ट में लिखा कि द्वीप के नागरिक न तो अमेरिकी हैं और न ही डेनिश क्योंकि वे ग्रीनलैंडिक हैं। अमेरिका को इस बात को समझने की जरूरत है। ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक स्वायत्त क्षेत्र, अपने स्थान और प्राकृतिक संसाधनों के कारण लंबे समय से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए रणनीतिक रुचि का विषय रहा है।

केजरीवाल न तो राज्यसभा जा रहे और न ही पंजाब के सीएम बन रहे, वीआईपी काफिला पर भी आप ने दी सफाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में अपने संभावित प्रवेश को लेकर चल रही चर्चा के बीच आम आदमी पार्टी (आप) के अरविंद केजरीवाल इस समय 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान शिविर में भाग लेने के लिए पंजाब में हैं। हालांकि, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की उनके विशाल काफिले के लिए आलोचना की गई। सांसद स्वाति मालीवाल ने व्यंग्यात्मक कटाक्ष करते हुए कहा कि काफिला डोनाल्ड ट्रम्प के काफिले से भी बड़ा था। केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता होशियारपुर के पास धम्म धजा विपश्यना केंद्र में बुधवार से शुरू होने वाले ध्यान पाठ्यक्रम में भाग लेंगे। भाजपा और कांग्रेस ने भी केजरीवाल के काफिले को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, इसको लेकर अब आप की सफाई आ गई है। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को लेकर खतरे की आशंका के चलते गृह मंत्रालय की ओर से उन्हें Z-प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। बीजेपी को गंदी राजनीति छोड़नी चाहिए और अपना ध्यान दिल्ली से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रखना चाहिए। अरविंद केजरीवाल को गाली देने से कुछ नहीं होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जा रहे हैं और न ही पंजाब के सीएम बन रहे हैं। बीजेपी को अफवाह फैलाने से दूर रहना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पूछा, पंजाब के करदाताओं द्वारा वित्त पोषित एक भव्य सुरक्षा परेड की किस तरह की विपश्यना की आवश्यकता है? उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल, जो कभी वैगनआर में एक आम आदमी होने का दिखावा करते थे, अब बुलेटप्रूफ लैंड क्रूजर, 100 से अधिक पंजाब पुलिस कमांडो, जैमर और एम्बुलेंस के एक भव्य काफिले में एक वीआईपी महाराजा की तरह विपश्यना के लिए जा रहे हैं जो अहिंसा शांति के लिए एक रिट्रीट है। उन्होंने कहा कि यदि सत्ता ही उनकी परीक्षा थी, तो वे बुरी तरह विफल रहे हैं। AAP का सच सामने आ गया है, धोखा, पाखंड और टप अहंकार चरम पर है। भाजपा दिल्ली ने एक्स पर लिखा कि क्या से क्या हो गए देखते-देखते। दिल्लीवासियों ने भ्रष्ट केजरीवाल को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया, फिर भी उनके मन से सत्ता का मोह कम होने का नाम नहीं ले रहा। खुद को आम आदमी कहने वाले केजरीवाल अब सत्ता में भी नहीं हैं, फिर किस हक से गाड़ियों के इतने बड़े काफिले के साथ पंजाब में टप ट्रीटमेंट ले रहे हैं? यह कैसा आम आदमी है जिसके शौक खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहे? इस बीच, 5 फरवरी के दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल और भाजपा के प्रवेश वर्मा के खिलाफ नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आप प्रमुख पर आडंबरपूर्ण और भव्य जीवन शैली के आदी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं 10 साल से कह रहा हूं कि यह सत्ता के लालची हैं। जब उन्हें सादगी के आधार पर वोट मिलते थे, तब भी हम कहते थे कि उनकी सादगी सिर्फ दिखावा है।

ग्रामीणो नें लगाया आरोप अपात्रों को दिया गयाआवासीय पट्टा, प्रशासन करे निरस्त

आखिर किसके सह पर हो रही है जीएस की सार्वजनिक भूमियों पर अबैध कब्ज़ा?

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश सरकार अभियान चलाकर सरकारी व सार्वजनिक स्थलों पर हो रहे अतिक्रमण व अवैध कब्जों को हटवाने का कार्य कर रही है। वहीं कुछ अधिकारी की मौन सहमति के कारण सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा रुकने का नाम नहीं ले रहा है, जिसके कारण सरकारी योजनाएं जमीनों के अभाव में धरातल पर नहीं उतर पा रही है। ताजा मामला शोहरतगढ़ तहसील अंतर्गत ढेबरुआ थाना क्षेत्र के ग्राम मधवानगर का है। गांव के घनश्याम चौधरी, बटुकनाथ पाण्डेय, बजरंगी गुप्ता, मन मोहन चौधरी, राजू गौतम, शिव प्रसाद यादव, जय प्रकाश चौधरी, शैले यादव, सुरेश, सोमई आदि लोगों का कहना है कि हम लोगों ने कई बार मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए डीएम, एसडीएम, विधायक, थाने पर पुलिस व राजस्व विभाग से ग्राम सभा मधवानगर की सार्वजनिक जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को हटवाये जाने की मांग कर चुके हैं। लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उनका कहना है कि गांव के पूरब उच्च प्राथमिक विद्यालय के बगल गाटा संख्या 206जो कि ग्राम समाज की सार्वजनिक जमीन थी, जहां पर हम सभी लोगों के शादी विवाह, बारात, दुर्गा पूजा, होली आदि कार्यक्रम होते थे।अभी कुछ वर्ष पहले गांव निवासी बाबूलाल पुत्र लक्ष्मण, विद्दा पत्नी स्वामी नाथ,चन्द्रावती पत्नी मुंशी, उर्मिला पत्नी रामदयाल, सुरेश पुत्र आज्ञाराम, पुष्पा पत्नी शिवाकांत, रमेश पुत्र ओमप्रकाश आदि लोगो ने पूर्व प्रधान रामदत्त व लेखपाल प्रदीप शुक्ला से मिली भगत कर बिना किसी डुग्गी मुनादी व गांव में बिना किसी खुली बैठक किये, इस जनपद के अखबारों में बिना सूचना प्रकाशित करवाये, गांव वालों के चोरी छिपे सिर्फ कागजो में कोरम पूरा कर फर्जी तरीके से अपात्र लोगों को आवासीय पट्टा बना दिया गया है। यहां तक कि ग्राम पंचायत सदस्य बसंतराम, मिथलेश कुमार, संतरी व रघुनाथ आदि लोगों के भी फर्जी अंगूठा दस्तखत बना दिया गया है। जिन्हें उक्त संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। जो पूरी तरह से नियम विरुद्ध है। गांव के जिन लोगों को पट्टा दिया गया है,उन लोगों के पास पहले से खेती की जमीन व रहने के लिए दो मंजिला पक्का मकान मौजूद हैं।

वहीं कुछ लोगों को मुख्यमंत्री आवास भी मिला हुआ है।काफी दिनों के बाद जब जमीन की नापी करने के लिए लेखपाल आये तो हम गांव वालों को पता चला जिसके बाद हम लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर शासन प्रशासन को अवगत कराते हुए जिला मजिस्ट्रेट के यहां वाद दाखिल किया हुआ है। जो अभी विचाराधीन है। फिर भी अपात्र पट्टा धारक लोग उक्त जमीन पर जबरदस्ती अवैध रूप से कब्जा करना चाहते हैं। बोलने पर महिलाओं द्वारा फर्जी मामलों में फंसाने की धमकी देते हैं। उक्त जमीन पर फर्जी तरीके से हुए आवासीय पट्टे को निरस्त करवाने के साथ ही, अवैध रूप से किये गये कब्जे को वहां से हटवाये जाने की मांग गांव वालों ने की है। गांव के लोगों का कहना है कि ग्राम समाज की जमीन पर बिना किसी सहमति के चोरी छिपे लेखपाल द्वारा मोटी कमाई के चक्कर में दबंगों से मिलीभगत कर फर्जी तरीके से पट्टा बना दिया गया है। जिसके निरस्तीकरण के लिए हम गरीब किसान लोग अपना गेहूं चावल बेचकर अपने जेब से वकील की फीस चुकता कर पिछले चार वर्षों से कोर्ट कचहरी का चक्कर लगा रहे हैं। जिसमें हम लोगों का करीब पचासों हजार रुपए खर्च हो चुका है, लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिला है। अब सवाल है कि आखिर इसमें हम गांव वालों का गुनाह क्या है? क्यों हम सरकारी जमीनों को बचाने के लिए अपना चावल गेहूं बेचकर वकील की फीस चुकायें? अब तक किसी बड़े अधिकारी द्वारा क्यों नहीं इसका संज्ञान लेकर मौके की जांच कराई जा रही है। आखिर इस तरह से अंधेर नगरी, चौपट राजा वाली कहानी कब तक चलती रहेगी और लेखपाल के गलतियों का खामियाजा गांव की जनता को कब तक भुगतना पड़ेगा। खैर यह देखने वाली बात होगी। फिलहाल यह जांच का विषय है और समय का इंतजार है कि क्या अवैध कब्जे धारियों के चंगुल से सरकारी भूमि तहसील प्रशासन खाली करा पायेगा? सबसे बड़ा सवाल है।

संयुक्त परिवार हमारी संस्कृति की पहचान : डॉ. अवधेश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बस्ती नगर की महर्षि अरविंद शाखा के तत्वावधान में आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा 'कुटुंब मिलन' कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर, रामबाग, बस्ती में किया गया।

इस अवसर पर संघ के कार्यकर्ताओं, समाज के प्रबुद्ध जनों एवं उनके परिवारों ने सहभागिता की। मंचासीन अतिथियों का परिचय नगर कार्यवाह धर्मराज जी ने कराया। कार्यक्रम का संचालन शाखा कार्यवाह आशीष सिंह ने किया। इस अवसर पर भजन संध्या, अंत्याक्षरी, पति – पत्नी दोनों द्वारा परिवार परिचय आदि कार्यक्रम हुए। मंच पर संघ के विभाग संघचालक श्री नरेंद्र भाटिया जी, जिला संघ चालक श्री पवन तुलस्यान जी, नगर संघचालक श्री सुनील मिश्र जी

और विभाग प्रचारक डॉ. अवधेश जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्री सुभाष शुक्ल, कुटुंब प्रबोधन प्रमुख अरविंद त्रिपाठी, गो सेवा प्रमुख अखिलेश जी, नीरज जी, दयाभान जी, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह, सरस्वती बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका सिंह, सरस्वती शिशु मंदिर रामबाग के प्रधानाचार्य भानु प्रताप त्रिपाठी, विद्या मंदिर के वरिष्ठ आचार्य विजय प्रताप पाठक, रंजीत सिंह, विनोद सिंह, उपेन्द्र द्विवेदी, अंकित गुप्त, राजीव श्रीवास्तव सहित धर्मराज मिश्र, चंद्र प्रकाश जी, प्रमोद जी, वीरेंद्र जी आदि सभी लोगों ने अपने परिवार का परिचय कराया और संघ कार्यों में पत्नी के सहयोग की चर्चा की। इस अवसर पर श्रीमती अनीता शुक्ला, किरन त्रिपाठी, विभा जी, अनुराधा सिंह , पूनम सिंह, गरिमा सिंह, निर्मला सिंह, अनीता मिश्रा, शांति देवी, मिथिलेश शुक्ला, सरिता श्रीवास्तवा, प्रियंका सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक श्रीमान डॉ. अवधेश जी ने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार, भारतीय भोजन, भजन, भवन निर्माण, भ्रमण, भाषा और भूषा हमारी संस्कृति की पहचान हैं। उन्होंने पारिवारिक संस्कारों, समरसता, स्वदेशी अपनाने की भावना और भारतीय मूल्यों को अपनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि "परिवार केवल रक्त संबंधों से नहीं बनता, बल्कि यह संस्कारों, परंपराओं और मूल्यों का केंद्र होता है। यदि हम अपने जीवन में भारतीयता को पुनः स्थापित करें, तो हमारा समाज और राष्ट्र दोनों सशक्त बनेंगे।" कार्यक्रम में उपस्थित सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे अपने परिवारों में भारतीय मूल्यों का पालन करेंगे, स्वदेशी अपनाएँगे और समाज में समरसता को बढ़ावा देंगे। कार्यक्रम के समापन पर हनुमान चालीसा एवं आरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात सभी को भारतीय परंपरा के अनुरूप सात्विक भोजन भोजन मंत्र के साथ परोसा गया ।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारम्भ

चौरीचौरा गोरखपुर। सरदार नगर क्षेत्र के सरैया गांव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पहले दिन मंगलवार को कथा का रसपान कराते कथा वाचक आचार्य पं सुमित्रानन्दन चतुर्वेदी ने कहा कि भागवत की कथा सुनने से मनुष्य की अज्ञानता दूर होती है।उन्होंने कहा कि सरलता व भगवान की कृपा से ही भगवान की कथा सुनने का सुअवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि धर्म के कार्य में तमाम बाधाएं आती है। उससे विचलित नहीं होना चाहिए। जन्म जन्मांतर तक पुण्य कर्म करने के बाद भगवान की कृपा होती है और मनुष्य की अज्ञानता दूर होती है और भगवान की प्राप्ति होती है। उन्होंने कथा का रसपान कराते कहा कि भगवान के नाम जप करने से मनुष्य पवित्र हो जाता है। एक सूर्य पूरे जगत का अंधेरा दूर करता है। लेकिन मनुष्य के मन को दूर नहीं कर सकता। गुरु की से कृपा से ज्ञान होता है। ज्ञान से ध र्म और धर्म से बैराग्य होता है। बैराग्य से भगवान की प्राप्ति होती है। गुरु की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है। कथा से पूर्व व्यास गद्दी पर विराजमान कथा वाचक को यजमान रामसागर पांडेय, आचार्य पंडित जनार्दन पाण्डेय, अंकुर, धनजय पांडेय, अर्जुन प्रसाद उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य लोगों ने माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान अमरावती देवी, सुन्दर यादव, चंद्रभान निगम, सुदामा निषाद, नरेंद्र प्रजापति, नीलम, पूनम, छोटेलाल यादव, भीम प्रजापति सहित तमाम श्रोतागण उपस्थित रहे।

युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है : डॉ0 अजय कुमार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। स्थानीय शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन बुधवार की शुरुआत स्वयंसेवकों द्वारा शिविर के पास के सड़क की साफ–सफाई एवं व्यायाम के साथ हुई। सभी स्वयंसेवकों ने गांधीनगर वार्ड नं0–10 एवं शिव नगर वार्ड नं0–09 में जाकर

साफ–सफाई की एवं लोगों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त समाज, सुखी समाज शीर्षक पर एक नुक्कड़ नाटक भी किया। अपराह्न बाद बौद्धिक सत्र आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय था–स्वास्थ्य और युवा हमारे भविष्य की नींव। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 अजय कुमार सिंह थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है और उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है। स्वास्थ्य का मतलब केवल शारीरिक स्वास्थ्य नहीं है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य भी इसमें शामिल है। शारीरिक स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए सन्तुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वच्छता आवश्यक है। हमें रोजाना पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना चाहिए और जंक फूड से बचना चाहिए। साथ ही हमें हर दिन कम से कम 45 मिनट का व्यायाम करना चाहिए। युवा पीढ़ी आजकल तनाव, चिन्ता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं का सामना कर रही है। हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए योग, ध्यान और सकारात्मक सोच को अपनाना चाहिए। हमारे मानसिक स्वास्थ्य का सीधा सम्बन्ध हमारे शारीरिक स्वास्थ्य से है, इसलिए दोनों का सन्तुलन बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। आज की युवा पीढ़ी तकनीकी युग में जी रही है, जहां सोशल मीडिया और इन्टरनेट का अत्यधिक उपयोग हो रहा है। हमें ध्यान देना चाहिए कि हम इसका सही और संयमित तरीके से उपयोग करें ताकि हमारा समय बर्बाद न हो और हम अपनी पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित कर सकें। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत मां सरस्वती की पूजा वन्दना से की गयी। इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने देशभक्ति गीत कविता आदि का मंचन किया। कार्यक्रम के अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत उठे समाज के लिए उठे उठे... एवं राष्ट्रगान का गायन स्वयंसेवकों के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेविका शिवांगी कसौधन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 ए0के0 सिंह ने दिया। इस कार्यक्रम में डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, अन्वनी सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 रामकिशोर सिंह, चम्पा, नीतू, निशा, सबा परवीन, जया, शिलांग सागर, सचिन शर्मा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

त्योहारों में खलल डालने वालो के खिलाफ होगी कार्रवाई–धनबीर

मथौली बाजार, कुशीनगर। आगामी होली, रमजान, जुमा की नमाज व अन्य त्योहारों के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए बुधवार को कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मथौली कस्बा में स्थित पुलिस चौकी पर एसएचओ धनबीर सिंह के नेतृत्व में पीस कमेटी की बैठक आयोजित किया गया। पीस कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए एसएचओ धनबीर सिंह ने कहा कि सब मिलजुलकर त्योहार मनाएं। उन्होंने दोनो समुदायों को एक–दूसरे की भावनाओं का सम्मान करने की सलाह दी। किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस हर समय मदद के लिए तैयार है। बैठक को भाजपा मंडल अध्यक्ष अदालत प्रसाद,चेयरमैन नगरेन्द्र सिंह, परवेज अहमद, टैम्पो जायसवाल आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान चौकी इंचार्ज अरविंद राय, विक्रम अजित राय,दिवान अश्वनी यादव, हेमंत शुक्ला,समासद मिस महेश्वरिया, रविन्द्र सैनी, दिनेश राय, मानवेन्द्र सिंह, हेमंत सिंह, पूर्व प्रधान बृजेश उपाध्याय,पूर्व प्रधान प्रतिनिधि बृजेश यादव, पूर्व प्रधान भोला प्रसाद, अख्तर अली आदि मौजूद रहे।

डीआरएम को कोरोना काल से बन्द हुये गाड़ियों के परिचालन सहित 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल शोहरतगढ़ के पदाधिकारी सहित शोहरतगढ़ क्षेत्रवासियों ने बुधवार को पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ के डीआरएम को 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से डीआरएम को अवगत कराया कि शोहरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर आम जनमानस एवं व्यापारियों को कोई सुविधा नहीं दी जा रही है, जबकि यह रेलवे स्टेशन रुबीर क्लास एवं आदर्श रेलवे स्टेशन है। पूर्व में इस रुट से गोरखपुर से गोंडा वाया बढ़नी शोहरतगढ़ होते हुए कई ट्रेन चल रही थी। जिससे

व्यापारियों एवं आम जनमानस को बहुत ही सुविधा मिल रही थी। विगत कोरोना काल से कई ट्रेनों का निरस्तीकरण कर दिया गया है। उसको पुनः बहाल करवाने का कार्य किया जायें। ज्ञापन देने के क्रम में शोहरतगढ़ स्टेशन को अमृत भारत योजना में शामिल किया जायें। वहीं लोगों द्वारा विभिन्न विषयों को लेकर डीआरएम से वार्ता की गयी, जिस पर डीआरएम ने लोगों द्वारा मांग किये गये विषयों पर विचार करके पूरा करने का आश्वासन भी दिया। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ के डीआरएम को ज्ञापन देने के दौरान व्यापार मण्डल अध्यक्ष शोहरतगढ़ शैलेन्द्र कौशल, व्यापार मण्डल वरिष्ठ महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता राजकुमार मोदनवाल संरक्षक/सभासद प्रतिनिधि राजकुमार मोदनवाल, सभासद प्रतिनिधि बब्लू गौड़, सभासद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, मुकेश कुमार पोद्दार, दिलीप वर्मा, गौरव अग्रवाल, रविन्द्र उमर, शमशेर, प्रशान्त, कुश कुमार मोदनवैल, अरविन्द वर्मा, विकास वर्मा, रंजन कुमार, हर्षित शर्मा, राम मिलन, हबीब, शिव पूजन वर्मा, धर्मेन्द्र कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहें।

नायब तहसीलदार एवं चिकित्साधिकारी ने निजी अस्पतलों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। जिले के बर्डपुर क्षेत्र के अल्वा हॉस्पिटल

युसूफपुर एवं विद्या हॉस्पिटल बर्डपुर का बुधवार को प्रभारी चिकित्साधिकारी नौगढ़ अनूप कुमार जायसवाल एवं नायब तहसीलदार सदर विजय कुमार श्रीवास्तव के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हॉस्पिटलों में कई अनियमितता पायी गयीं और अल्ट्रासाउण्ड भी देखा गया जो लीगल नहीं था। नायब तहसीलदार विजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों अस्पतालों में जांच के दौरान पायी गई अनियमितता की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंपा जायेगा।

बीडीओ शोहरतगढ़ की अचानक तबियत बिगड़ी, आया दिल का दौरा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जिले के खण्ड विकास अधिकारी

शोहरतगढ़ सुरेश कुमार मौर्या की अचानक तबियत बिगड़ गई और उन्हें दिल का दौरा पड़ने की आशंका जताई जा रही है। आपको बता दें कि मंगलवार को सुरेश कुमार मौर्या बर्डपुर ब्लॉक कार्यालय के आवास पर सो रहे थे, तभी सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। लोगों को उनकी हालत का पता चलने पर उन्हें तत्काल नौगढ़ के जे0जे0 अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि जब उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो उन्हें वहां से बी0पी0 मेमोरियल हॉस्पिटल डॉ0 चन्द्रेश उपाध्याय के पास भेजा गया, लेकिन हालत को गम्भीर देखते हुए उन्हें गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया गया। वर्तमान में उनका इलाज गोरखपुर के सिटी हॉस्पिटल में चल रहा है, जहां उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। सुरेश कुमार मौर्या की तबियत को लेकर इलाके में चिन्ता का माहौल है।

दो अल्ट्रासाउंड सेन्टर मे व्यापक स्तर पर कमियां पाए जाने पर सील किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी। उपजिलाधिकारी बांसी शशांक शेखर राय द्वारा तिलौली में आकाश अल्ट्रासाउंड सेंटर व प्रतापनगर में पीसी मेमोरियल मैटरनिटी का निरीक्षण बुधवार को किया और तमाम कमियां पाए जाने पर अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया गया। इस कार्यवाही के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मिठवल अधीक्षक भी मौजूद रहे। दोनों अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील किया गया। मौके पर पीसी मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक और कर्मचारी गायब रहे अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया गया। अल्ट्रासाउंड मशीन बोलेरो गाड़ी से कहीं और हटाया जा रहा था। गाड़ी को जब्त कर कोतवाली भेजा गया। एसडीएम शशांक शेखर राय ने कहा कि दोनों अल्ट्रासाउंड सेंटरों की शिकायत मिली थी जिस पर जांच की गई और अल्ट्रासाउंड सेंटरों को सीज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह अभियान लगातार चलता रहेगा और अवैध रूप से चलाए जा रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरो और मेडिकल चिकित्सालयों का जांच किया जाएगा मौके पर कोतवाली पुलिस के लोग भी मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ की सभी ब्लाक इकाई भंग: नये सिरे से होगा पुर्नगठन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर पर जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महासंघ की मजबूती और

सांगठनिक विस्तार के उद्देश्य से सभी ब्लाकों की इकाई को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया। अति शीघ्र इसका गठन किया जायेगा। बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि विश्व हिन्दू महासंघ निरन्तर जनहित के सवालों को लेकर संघर्षरत है। निष्क्रिय सदस्यों और पदाधिकारियों पर पुर्न विचार कर नये सिरे से ब्लाक वार पुर्नगठन किया जायेगा। बैठक को चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' सौरभ तिवारी, विजय शंकर शुक्ल, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विन्द गोपाल त्रिपाठी, अजय मिश्र, डा. परशुराम साहनी आदि ने सम्बोधित करते हुये सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया। बैठक में मुख्य रूप से राकेश सिंह, परमानन्द गुप्ता, बाबा जय प्रकाश दास, प्रदीप सोनी, महेश हिन्दुस्थानी, सतीश पाण्डेय, सचिन त्रिपाठी, अंकित सिंह, रूप नरायन गौड़, अमरदीप, संदीप जमलापुरी, अर्पण श्रीवास्तव, चन्द्रमणि पाठक शानू, प्रिया गुप्ता, कंचन विश्वकर्मा, राजेश विद्यार्थक, सौरभ चतुर्वेदी, नितिन, अजय सिंह, सन्तोष पाण्डेय, राजेश कसौधन, रामकिशन यादव, राजेश त्रिपाठी, सुभाष पाण्डेय, दुर्गेश कुमार, पारसनाथ गौड़, विजय चौधरी के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

जिम्मेदारों की मिली भगत से सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कराने का आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी0वाई0 चन्द्रचूड़ के आदेश पर न्याय की देवी की मूर्ति से आंखों पर बंधी पट्टी हटाई गई है। इस बदलाव का मकसद आम लोगों को यह सन्देश देना था कि कानून अन्धा नहीं होता है। न्याय की देवी की मूर्ति में बदलाव करके न्यायपालिका की छवि में समय के अनुसार सुधार लाने का सन्देश दिया गया था। लेकिन राजस्व विभाग में बैठे कुछ ऐसे जिम्मेदार लोग है। जो सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। जिनके आंखों पर आज भी पट्टी बंधी हुई है। उन्हे खुली आंखों से भी कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। जिससे विभाग के जिम्मेदारों ने यह साबित कर दिया है कि आज भी हमारे विभाग में अन्धा कानून चल रहा है। फिलहाल यह जांच का विषय है। कि आखिर ऐसी चीजों को नजर अंदाज क्यों किया जा रहा है और लोगों को न्याय कब मिलेगा। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश सरकार अभियान चलाकर सरकारी व सार्वजनिक स्थलों पर हो रहे अतिक्रमण व अवैध कब्जों को हटवाने का कार्य कर रही है। वही कुछ अधिकारी ऐसे कार्यो में संलिप्त होकर मौज करने में लगे हुए हैं। जिससे सरकारी जमीनो पर अवैध कब्जा रुकने का नाम नहीं ले रहा। जिसके कारण सरकारी योजनाएं जमीनों के आभाव में धरातल पर नहीं उतर पा रही है। आपको बता दे कि शोहरतगढ़ तहसील अन्तर्गत ढेबरूआ थाना क्षेत्र के मधवानगर गांव निवासी घनश्याम चौधरी, बटुकनाथ पाण्डेय, बजरंगी गुप्ता, ,ष्ण मोहन चौधरी, राजू गौतम, शिव प्रसाद यादव, जय प्रकाश चौधरी, शैले यादव, सुरेश, सोमई आदि लोगों का कहना है कि हम लोगों ने कई बार मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए डीएम, एसडीएम, विधायक, चौकी, थाने पर पुलिस व राजस्व विभाग से ग्राम सभा मधवानगर की सार्वजनिक जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को हटवाये जाने की मांग कर चुके है। लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उनका कहना है कि गांव के पूरब उच्च प्राथमिक विद्यालय के बगल गाटा संख्या 205 जो कि ग्राम समाज की सार्वजनिक जमीन थी, जहां पर हम सभी लोगो के शादी विवाह, बारात, दुर्गा पूजा, होली आदि कार्यक्रम होते थे। अभी कुछ वर्ष पहले गांव निवासी बाबूलाल पुत्र लक्ष्मण, हिरा पत्नी स्वामी नाथ, चन्द्रावती पत्नी मुंशी, उर्मिला पत्नी रामदयाल, सुरेश पुत्र आज्ञाराम, पुष्पा पत्नी शिवाकान्त, रमेश पुत्र ओमप्रकाश आदि लोगों ने पूर्व प्रधान रामदत्त व लेखपाल प्रदीप शुक्ला से मिली भगत कर बिना किसी डुग्गी मुनादी व गांव में बिना किसी खुली बैठक किये। इस जनपद के अखबारों में बिना सूचना प्रकाशित करवाये, गांव वालों के चोरी छिपे सिर्फ कागजों में कोरम पूरा कर फर्जी तरीके से अपात्र लोगों को आवासीय पट्टा बना दिया गया है। यहां तक कि ग्राम पंचायत सदस्य बसन्तराम, मिथलेश कुमार, संतरी व रघुनाथ आदि लोगों के भी फर्जी अंगूठा दस्तखत बना दिया गया है। जिन्हे उक्त सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। जो पूरी तरह से नियम विरुद्ध है। गांव के जिन लोगों को पट्टा दिया गया है, उन लोगों के पास पहले से खेती की जमीन व रहने के लिए दो मंजिला पक्का मकान मौजूद हैं। वहीं कुछ लोगों को मुख्यमंत्री आवास भी मिला हुआ है। काफी दिनों के बाद जब जमीन की नापी करने के लिए लेखपाल आये तो हम गांव वालों को पता चला जिसके बाद हम लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर शासन प्रशासन को अवगत कराते हुए जिला मजिस्ट्रेट के यहां वाद दाखिल किया हुआ है। जो अभी विचाराधीन है। फिर भी अपात्र पट्टा धारक लोग उक्त जमीन पर जबरदस्ती अवैध रूप से कब्जा करना चाहते हैं। बोलने पर महिलाओं द्वारा फर्जी मामलों में फंसाने की धमकी देते हैं। उक्त जमीन पर फर्जी तरीके से हुए आवासीय पट्टे को निरस्त करवाने के साथ ही, अवैध रूप से किये गये कब्जे को वहां से हटवाये जाने की मांग गांव वालो ने की है। गांव के लोगों का कहना है कि ग्राम समाज की जमीन पर बिना किसी सहमति के चोरी छिपे लेखपाल द्वारा मोटी कमाई के चक्कर में दबंगों से मिलीभगत कर फर्जी तरीके से पट्टा बना दिया गया है। जिसके निरस्तीकरण के लिए हम गरीब किसान लोग अपना गेहू चावल बेचकर अपने जेब से वकील की फीस चुकता कर पिछले चार वर्षों से कोर्ट कचहरी का चक्कर लगा रहे हैं। जिसमें हम लोगों का करीब पचासों हजार रुपए खर्च हो चुका है लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिला है। अब सवाल है कि आखिर इसमें हम गांव वालो का गुनाह क्या है? क्यो हम सरकारी जमीनो को बचाने के लिए अपना चावल गेहू बेचकर वकील की फीस चुकाये? अब तक किसी बड़े अधिकारी द्वारा क्यों नही इसका संज्ञान लेकर मौके की जांच कराई जा रही है। आखिर इस तरह से अंधेर नगरी, चौपट राजा वाली कहानी कब तक चलती रहेगी और लेखपाल के गलतियों का खामियाजा गांव की जनता को कब तक भुगतना पड़ेगा, यह देखने वाली बात होगी। फिलहाल यह जांच का विषय है और समय का इंतजार है कि क्या गांव की जनता को न्याय मिल पायेगा।

लोगों के आशा का केंद्र बन रहा जिलाधिकारी जनता दर्शन

दैनिक बुद्ध का सन्देश/ राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। इन दिनों जिला अधिकारी का जनता दर्शन पटल लोगों की आशा का केंद्र बनता नजर आ रहा है आपको बता दे की गांव से लेकर जिला मुख्यालय तक लगातार जन जागरूकता ना होने के नाते लोग अपना काम करवा पाने में जहां जन प्रतिनिधियों का चक्कर लगाते नजर आ रहे थे तो वही जिला अधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर के द्वारा लगाए जा रहे जनता दर्शन में उन्हें आशा की किरण नजर आ रही है आपको बता दे कि जिलाधिकारी का जनता दर्शन सुबह 10:00 बजे से लेकर दोपहर 1:00 बजे तक प्रत्येक दिन कार्यरत रहता है जिसमें मुख्य भूमिका प्रियंका चौधरी न्यायिक उप जिलाधिकारी का रहता है वह जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में जहां लगातार ग्रामीणों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करती है तो वही उन्हें संबंधित विभागों के बारे में भी जानकारी देकर संतुष्ट करती नजर आती हैं बुधवार को जनता दर्शन में आए 100 से ज्यादा ग्रामीणों ने जहां प्रियंका चौधरी उप जिलाधिकारी से न्याय के गुहार लगाते हुए अपनी–अपनी बात रखते नजर आए कोई प्रधानमंत्री किसान सम्मान पैसा ना आपने पर गुहार लगा रहा था तो कोई अपनी जमीन पर विपक्षियों द्वारा कब्जा करने की बात कर रहा था जहां लगातार प्रियंका चौधरी उप जिलाधिकारी एक–एक कर सबको बुलाकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही थी नौगढ़ तहसील से आए एक पीड़िता ने परिवार नकल न मिलने की बात की तो वही बाढ़ में लगे नाव का नौगढ़ तहसील से अभी तक भुगतान न होने की प्रार्थना पत्र लेकर पहुंचे नाविकों को प्रियंका चौधरी उप जिला अधिकारी ने उच्च अधिकारियों से बात कर तत्काल समस्या का समाधान कराया तो वही बाढ़ में डूब रहे संकलदीप ग्राम में चारों तरफ से ठोकर लगवाने की गुहार लेकर आए ग्राम प्रधान अशोक तिवारी की समस्या को भी सुना जब पीड़िते से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अभी तक हमें समझ में नहीं आ रहा था हम कहां जाएं लेकिन जिलाधिकारी द्वारा जहां लगातार जनता दर्शन कर समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है उसे हम सबको काफी लाभ हो रहा है किसी भी चीज की दिक्कत होने पर हम यहां आकर संतुष्ट हो रहे हैं न्यायिक उपजिलाधिकारी प्रियंका चौधरी जहां आराम से लोगों की बातें सुनती है तो वही महिलाओं की उनकी बातें अच्छी तरह समझ ले आती है और वह संतुष्ट होकर अपने घर जा रही है जनता दर्शन को देखते हुए लग रहा है कि पूछताछ और परामर्श केंद्र की आवश्यकता जिला मुख्यालय पर प्रत्येक ग्रामीण के लिए जरूरी है जिलाधिकारी को पूछताछ केंद्र एवं परामर्श केंद्र की स्थापना करवानी चाहिए जिससे कि ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर किस पटल पर जाएं वहां से उन्हें जानकारी मिल जाएगी।

राज्य मंत्री ने किया 06 सड़कों को स्वीकृति, जल्द होगा निर्माण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। राज्य मंत्री ,षि उत्पाद मण्डी दिनेश प्रताप सिंह से उनके विधानसभा स्थित कार्यालय में बुधवार को विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने शिष्टाचार भेंट मुलाकात किया। इस दौरान विधायक विनय वर्मा ने अपने विधानसभा को विकसित बनाने के क्रम में वित्तिय वर्ष 2024–25 में नवीन सम्पर्क मार्गो के निर्माण हेतु कुल 06 सड़कों का विवरण उप निदेशक (निर्माण) सरोज कुमार द्वारा विभाग को भिजवाया था। जिसको संज्ञान में लेकर राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी 06 सड़कों की स्वी.ति प्रदान कर दिया है। जिसका जल्द ही फण्ड अलॉटमेन्ट कर टेण्डर हेतु भेजा जायेगा। विधायक विनय वर्मा ने राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के त्वरित कार्यवाही हेतु अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

बार एशोसिएशन शोहरतगढ़ के अध्यक्ष बने दया सागर पाठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बार एशोसिएशन शोहरतगढ़ का चुनाव बुधवार को सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद पर एडवोकेट दया सागर पाठक व महामंत्री पद पर बृजेश दत्त शुक्ल और लेखापरीक्षक पद रेड़ीपाल मिश्र चुने गये। बार एशोसिएशन शोहरतगढ़ तहसील इकाई का चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी अधिवक्ता राम गोपाल पाण्डेय, सहाबुद्दीन, विशाल श्रीवास्तव की देखरेख में बुधवार को अधिवक्ता सभागार में पूर्ण हुआ। कुल 68 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के उपरान्त मतगणना हुई और चुनाव अधिकारी ने परिणाम घोषित किया। जिसमें अध्यक्ष पद उम्मीदवार अधिवक्ता दया सागर पाठक को 35 मत मिले, जबकि अध्यक्ष पद दूसरे प्रत्याशी श्रवण कुमार श्रीवास्तव को 30 वोट हासिल हुआ। वहीं 05 मतों से दया सागर पाठक ने जीत हासिल किया। महामंत्री पद प्रत्याशी बृजेश दत्त शुक्ल ने 27 वोट पाकर मनीष श्रीवास्तव को 01 वोट से शिकस्त दे दी। मनीष श्रीवास्तव को 26 मत मिले। महामंत्री पद प्रत्याशी को 01 मत से सन्तोष करना पड़ा। लेखापरीक्षक पद उम्मीदवार रेड़ीपाल मिश्र को 53 वोट मिला तथा ज्वाला प्रसाद गुप्ता 13 मत पाकर दूसरे स्थान पर रहे। रेड़ीपाल 40 मतों के भारी अन्तर से जीतने में कामयाब रहें। इस दौरान शम्भु नाथ गुप्ता, गोपाल मिश्र, चन्दन श्रीवास्तव, प्रमोद पाठक, मोहम्मद अयूब खान, अरविन्द कुमार, विशाल श्रीवास्तव, शहाबुद्दीन, रामगोपाल पाण्डेय सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता एवं ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष आशुतोष यादव ने संयुक्त रूप से किया। जिसमें ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता द्वारा बताया गया कि आज के समय में उत्पीड़न अपने चरम पर है जिससे संगठित होकर लड़ने की आवश्यकता है तथा ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष आशुतोष यादव द्वारा अधिकारियों द्वारा प्रगति के नाम पर गलत करने का दबाव डालने की बात कही गई चाहे वह फैमिली आईडी बनाना हो , चाहे वित्त का शत प्रतिशत शत भुगतान करना हो। कार्यक्रम का संचालन ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला मंत्री परमात्मा यादव ने किया। बैठक को ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला मंत्री अभिनव ओझा , विनय श्रीवास्तव, मुख्तार अली, रवीन्द्र जाटव , महेश्वर पाण्डेय,प्रियंका गोस्वामी,अखिलेश यादव,राजेश चौधरी ,प्रहलाद पांडे,देवेंद्र त्रिपाठी,हरिशंकर सिंह हरेन्द्र पाण्डेय, रविकपूर, अनिल निगम, केशभान यादव, सनन्दन लाल, शुभम मणि, ,ष्ण कुमार शुक्ला, सचिन्द्र पाठक, राजेश चौधरी, गायत्री देवी, प्रीति गुप्ता, ज्योति पाण्डेय, रजनीश, स्वप्निल ,तिका पाण्डेय, अलका वर्मा, नेहा यादव, दुर्गेश सिंह, अनूप श्रीवास्तव, हीरा सिंह, ईश्वरदेव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जीवन ज्योति सेवा संस्थान के तरफ से लगाया गया कैंप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ में नगर पंचायत सभागार में जीवन ज्योति सेवा संस्थान ट्रस्ट के तरफ से स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया जिसमें ढाई सौ से अधिक मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें स्वास्थ्य सलाह दी गई जीवन ज्योति सेवा संस्थान ट्रस्ट की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर अनीता द्विवेदी एवं डॉ विमल कुमार द्विवेदी के निर्देशन में स्वास्थ्य ने लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जीवन ज्योति सेवा संस्थान ट्रस्ट की ओर से डॉक्टर सौरभ कुमार श्रीवास्तव वरिष्ठ नेत्र परीक्षण अधिकारी अभिलेख कोऑर्डिनेटर जीवन ज्योति सेवा संस्थान ट्रस्ट की अगुवाई में डॉक्टर सौरभ गुप्ता जनरल फिजिशियन श्री ,ष्ण मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल डॉ सौरभ पटेल डेंटल सर्जन प्रकाश डेंटल सेंटर सनी सनी एवं न्यास एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ अशोक कुमार ने फिजियोथैरेपी एवं एवं वीरेंद्र ऑप्टोमेट्री टीम का नेतृत्व किया और कैंप को सफल बनाया कैंप में वीरेंद्र कुमार सोनाली यादव तान्या श्रीवास्तव दामिनी त्रिपाठी यशी श्रीवास्तव आलोक उपाध्याय एवं कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत शोहरतगढ़ की अध्यक्ष उमा अग्रवाल भी मौजूद रही।

बानगंगा बैराज हुआ उपेक्षा का शिकार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ स्थिति बानगंगा बैराज वर्तमान में नदी के दोनों तटों पर बना पार्क सिद्धार्थ वाटिका, गौतम बुद्ध वाटिका केवल नाम का है। एक समय था पार्कों में लगी हुई फूल पौधा अपने सुगन्ध से पर्यटकों का मन मोह लेता था, परन्तु आज सभी पार्क केवल नाम मात्र का है। पार्कों में सिर्फ खार पतवार आदि प्रकार का गन्दगी बिखरे दिखाई देता है। नदी में नीचे जाने के लिए बैराज के दोनों तरफ की सीढ़ियां वर्षों से टूटी हुई पड़ी है जिससे पर्यटकों को नीचे आवागमन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। परन्तु किसी विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधि की नजर नहीं पड़ रहा है। इस सन्दर्भ में अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग सिद्धार्थनगर ने बताया कि हम नये आये हैं परन्तु जे0ई0 अभी प्रयागराज कुम्भ में है। उनके आते ही बानगंगा बैराज को दिखवाते हैं, अति शीघ्र पार्कों व सीढ़ियों की समस्या दूर किया जायेगा।

सर्वेक्षण के माध्यम से हम विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं : डा सुनीता त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी। स्थानीय रतन सेन डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजन के क्रम में पांचवें दिन दिनांक 05 मार्च 2025 को स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाओं द्वारा कार्यक्रम स्थल की साफ–सफाई की गयी। उसके पश्चात स्वयंसेवक / स्वयंसेविकाओं द्वारा चयनित वार्ड देवियापुर की सर्वेक्षण का कार्य किया गया। जिसमें स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाओं ने चयनित वार्ड में जाकर वहाँ के साक्षरता का स्तर, लिंग का अनुपात, ,षि योग्य भूमि, शिक्षण संस्था का विवरण, आदि की जानकारी सर्वेक्षण में भरा गया। सर्वेक्षण के उपरान्त कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 सुनीता त्रिपाठी ने स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाओं को बताया कि सर्वेक्षण से हम किसी भी स्थान पर वहाँ पर निवास करने वाले लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्तर का पता लगा सकते हैं सर्वेक्षण के माध्यम से किसी स्थान पर रह रहे लोगों का साक्षरता का स्तर क्या है, वहाँ पर कितने महिला पुरुष निवास कर रहे हैं उनमें कितने 18 वर्ष से कम आयु के हैं। उनकी व्यावसायिक स्थिति क्या है किसी धर्म, सम्प्रदाय, के लोग रहते हैं, उनके रहन–सहन का स्तर क्या है, धार्मिक स्थलों की संख्या कितनी है, आदि पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाओं को महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा बौद्धिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया व स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ0 संतोष कुमार सिंह, प्रो0 अर्चना मिश्रा, डॉ0 सुनीता त्रिपाठी, डॉ0 विनोद कुमार, डॉ0 कंचन यति, डॉ0 सुष्मिता श्रीवास्तव, साक्षी, कामना, निर्जला, अमरेश, वसीम, सपना, ज्योति, श्रेया आदि लोग उपस्थित रहे।

सपा की मासिक बैठक में सेक्टरवार साइकिल यात्रा पर किया विचार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी कार्यालय शोहरतगढ़ पर बुधवार को मासिक बैठक विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायन यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पार्टी की नीतियों, आगामी 15 मार्च से हर सेक्टर में पीडीए साइकिल यात्रा निकाले जाने पर चर्चा एवं पार्टी संगठन की मजबूती पर चर्चा किया गया। मासिक बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व सपा प्रत्याशी उग्रसेन प्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी, रामू यादव, विष्णु उमर, बलराम चौरसिया, हरिद्वार काका, अम्बरीश चौधरी, सुदामा बाबा, आकाश, अली अहमद समेत सपा नेतागण व पदाधिकारियों की मौजूदगी रही।

सम्पादकीय

जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सरकारी स्कूलों में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों की ही अधिकता होती है। समाज के वंचित वर्ग के छात्र भी बड़ी संख्या में इन स्कूलों में दाखिले लेते हैं। उनकी पारिवारिक स्थिति कुछ ऐसी होती है कि अभिभावक की छात्रों के उन्नयन में...

व्यवस्थागत त्रास झेलते हरियाणा के स्कूल

हरियाणा के सरकारी स्कूल जिस बदहाली से गुजर रहे हैं उसका निष्कर्ष यही है कि ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने साबित हो सकते हैं। हरियाणा के प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए युक्तीकरण के प्रयासों से राज्य में सार्वजनिक शिक्षा की निराशाजनक स्थिति ही उजागर हुई है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य में 487 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बिना किसी शिक्षक के संचालित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह है कि करीब 294 स्कूलों में कोई छात्र नामांकित नहीं है। निश्चय ही छात्रों के मोहभंग के कारणों को समझना कठिन नहीं है। निश्चित रूप से यदि प्राथमिक शिक्षा की यह तस्वीर है तो माध्यमिक और उच्च शिक्षा की स्थिति और भी खराब हो सकती है। विडंबना यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की कवायद में शिक्षकों की बड़ी कमी के बावजूद पांच हजार से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो गए हैं। हालांकि, छात्र–शिक्षक अनुपात 28रू1 प्रबंधनीय लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा खराब है। लगभग 18,500 से अधिक टीजीटी और 11,341 पीजीटी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। इतना ही नहीं राज्य के विश्वविद्यालय और कालेज भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यहां तक कि सरकारी कॉलेजों में भी व्याख्याताओं के लगभग आधे पद खाली हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि राज्य में योग्य बेरोजगारों की बड़ी संख्या के बावजूद ये पद खाली पड़े हैं। जो व्यवस्थागत खामियों की ओर ही इशारा करते हैं। विसंगति यह भी है कि बजटीय उपेक्षा ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले साल एक संबंधित मामले में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आवंटित बजट का समय रहते उपयोग न कर पाने के कारण शिक्षा निधि में 10,675 करोड़ रुपये वापस लौटने का उल्लेख किया था। जो शिक्षा विभाग की उदासीनता की ही तस्वीर ही उकेरता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक ओर वित्तीय संसाधनों की कमी की बात कही जाती है और दूसरी ओर शिक्षा निधि में उपयोग न किए गए धन को लौटाने की बात सामने आ रही है। जाहिर तौर पर यदि आवंटित धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा निरर्थक ही साबित होगा। कमोबेश शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों का अंकगणितीय ज्ञान और साक्षरता का कौशल पंजाब व पड़ोसी राज्य हिमाचल से कमतर ही है। हाल में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2024 एक गंभीर स्थिति को ही उजागर करती है। वार्षिक स्थिति रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा आठवीं तक के केवल 43.1 प्रतिशत छात्र ही गणित में भाग की गणनाएं कर सकते हैं। जो कि वर्ष 2022 में 49.5 प्रतिशत से कम ही है। जबकि दूसरी ओर पंजाब के स्कूलों के छात्र 58 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं। उसके बाद हिमाचल प्रदेश 44 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर पढ़ने का कौशल भी उतना ही चिंताजनक है। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र गिरावट का ट्रेंड ही नजर आएगा। जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सरकारी स्कूलों में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों की ही अधिकता होती है। समाज के वंचित वर्ग के छात्र भी बड़ी संख्या में इन स्कूलों में दाखिले लेते हैं। उनकी पारिवारिक स्थिति कुछ ऐसी होती है कि अभिभावक की छात्रों के उन्नयन में अपेक्षित भूमिका नहीं हो पाती। ऐसे में शिक्षकों की जवाबदेही तय करने की जरूरत तो है ही, साथ ही शिक्षा विभाग को भी व्यवस्थागत विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। सरकार को भी शिक्षक–छात्र अनुपात को न्यायसंगत बनाने की दिशा में युद्ध स्तर पर प्रयास करने चाहिए। उन कारणों की भी पड़ताल हो जिनकी वजह से छात्रों का सरकारी स्कूलों में प्रदर्शन निराशाजनक बना हुआ है।

सद्गुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार

सद्गुरु की महिमा अनंत होती है। उसके अनंत उपकार भी होते हैं। गुरु अज्ञान से ज्ञान के पथ का मार्ग प्रशस्त करता है। ध्यातव्य है कि गुरु शब्द में गु का अर्थ है अंधकार और रु का अर्थ प्रकाशक है। अर्थात् गुरु का शाब्दिक अर्थ हुआ अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक। सही अर्थों में गुरु वही है जो अपने शिष्यों का मार्गदर्शन करे। इसके साथ ही जो उचित हो उस ओर शिष्य को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे। उचित और अनुचित के संधान हेतु शिष्य को विवेकी बनाएं। बात यह है कि सच्चा गुरु वे होते हैं जो आपको आत्मा के मार्ग का मार्गदर्शन करते हैं। वे

आपको ज्ञान, उद्दीपन, और सत्य की ओर अभिप्रेरित करते हैं। एक सच्चे गुरु में श्रद्धा, भक्ति, और आत्मनिष्ठा होती है। वे शिष्य को जीवन के विभिन्न पहलुओं में मार्गदर्शन करने के लिए समर्पित होते हैं। सच्चा और अच्छा गुरु वही है, जिसमें लोभ, मोह और अहंकार जैसे अवगुण न हों और वे अपने शिष्यों के प्रति समर्पित हों। इसके साथ ही वे धर्म, नीति का पालन करते हुए स्व कर्म करें। चाणक्य नीति के अनुसार जैसे पानी को छानकर पिया जाता है, उसी तरह किसी भी व्यक्ति की कथनी–करनी जान कर ही उसे अपना सद्गुरु बनाना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार स्त्री का पति ही उसका गुरु होता है। शास्त्र में उल्लेख है– गुरुर्ग्निर्द्विजातीनां वर्णानां ब्राह्मणो गुरुः। अर्थात अग्नि द्विजातियों का गुरु है, ब्राह्मण चारों वर्णों का गुरु है, एक मात्र पति ही स्त्री का गुरु है, अतिथि सब का गुरु है। वैवाहिको विधि स्त्रीणां संस्कारो वैदिक स्मृत। गुरु के लक्षण चार बखाना, प्रथम वेद शास्त्र को ज्ञाना।। दूजे हरि भक्ति मन कर्म बाने, तीजे समदृष्टि करि जानी।। चौथे वेद विधि सब कर्मा, ये चार गुरु गुण जानों मर्मा।। सब वेद तथा शास्त्रों को वह ठीक से जानता है।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

ग्लेशियरों पर संकट के बीच हमारी जिम्मेदारी

ग्लेशियरों के आधार के पहाड़ों में मशीनी कटान और विस्फोट स्थितियां और भी जोखिमपूर्ण बना सकते हैं। यदि घाटियां संकरी हैं या वहां मलबा जमा है, तो फ्लैश फ्लड आ सकता है। एक वैज्ञानिक के अनुसार, यह आपदा ग्लेशियरों से जुड़ी भी हो सकती है, लेकिन इसके लिए कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं, जैसे लैंड स्लाइड, ढलाव का टूटना, अत्यधिक तापमान आदि। ग्लेशियरों के लिए स्वस्थ पर्यावरण...

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

हाल ही में उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा ग्राम के पास हुई हिमस्खलन की घटना में बीआरओ के मजदूर दब गए थे, जिनमें से कुछ को बचा लिया गया, लेकिन कई की जानें नहीं बच सकीं। दरअसल, हिमस्खलन की घटनाएं पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं, जिससे अचानक बाढ़ें आ रही हैं और सड़कों पर वाहन सवार सैलानियों की मौतें हो रही हैं। फरवरी, 2021 में उत्तराखंड की नीती घाटी में हिमस्खलन के कारण ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों में बाढ़ आई, जिससे व्यापक तबाही हुई। इस घटना के चलते वैश्विक स्तर पर हिमस्खलनों और ग्लेशियरों के संकट को लेकर चर्चा शुरू हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि ग्लेशियरों के पिघलने की प्रक्रिया में मानवीय गतिविधियों का भी योगदान है, जिससे इन घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। ग्लेशियरों का पिघलना प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप जैसे जलविद्युत परियोजनाओं, निर्माण कार्यों और पर्यावरणीय असंतुलन ने इसे और बढ़ा दिया। इसलिये, हमें इन संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ से हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना दुगनी दर से बढ़ गया है। ये हर साल आधे मीटर की मोटाई खो रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में पीछे भी खिसक रहे हैं। गढ़वाल हिमालय में पिछले चार दशकों में औसतन 18 मीटर प्रति वर्ष ग्लेशियर पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने की दर तापमान, बारिश, नमी,

हवाओं की गति और सूर्य की किरणों के परावर्तन पर निर्भर करती है। पिघलते ग्लेशियरों से उत्पन्न जल से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी सदानीरा नदियों का अस्तित्व है, जो वर्षा के बिना भी बहती रहती हैं। यदि ग्लेशियरों का पिघलना जारी रहता है, तो इससे समुद्र स्तर 230 फुट तक बढ़ सकता है, जो वैश्विक जल संकट का कारण बन सकता है। नदियों में पानी की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, गंगा और यमुना के स्रोतों, गंगोत्री और यमुनोत्री के ग्लेशियरों को नैनीताल उच्च न्यायालय ने 20 मार्च, 2017 को एक आदेश में न्यायिक जीवित मानव का दर्जा दिया। हालांकि ग्लेशियर स्वयं मौसमी बदलाव और बढ़ते तापमान से काल–कवलित हो रहे हैं, लेकिन इनकी सतह जब सूर्य की किरणों को परावर्तित करती है, तो ये वातावरण संतुलन में भी मदद करती हैं। छोटे ग्लेशियर्स औसतन 70 से 100 मीटर तक मोटे होते हैं, जबकि बड़े ग्लेशियर्स 1.5 किमी तक मोटे हो सकते हैं। गतिक ग्लेशियर्स अपनी यात्रा के दौरान शिलाओं को तोड़ते हुए उन्हें उनके मूल स्थानों से दूर ले जाते हैं, जिससे हिमस्खलन के दौरान हिमखंडों के साथ बड़ी–बड़ी शिलाओं की भी बौछार होती है। जब ये हिमखंड और शिलाएं नदियों–नालों में गिरती हैं, तो कभी–कभी बहते पानी की राह रोक अस्थायी बांध बना देती हैं। इन बांधों के टूटने से अचानक बाढ़ों और तबाही का खतरा उत्पन्न हो सकता है। हिमस्खलनों के अतिरिक्त, बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियरों में उत्पन्न होती और फैलती ग्लेशियल झीलें सर्वाधिक चिंता का कारण बन रही हैं। जिनके टूटने पर भारी मात्रा में पानी बहकर ये अचानक बाढ़ों का कारण बनती हैं, जिसे ग्लेशियल आउटबर्स्ट फ्लड कहा जाता है। ग्लेशियर्स प्रायः पहाड़ी निर्जन क्षेत्रों में होते हैं। अगर हम आर्थिक लाभ या मनोरंजन के लिए उनके नजदीक न जायें, तो शायद उनके टूटने या ग्लेशियर झीलों के अनायास टूटने का प्रभाव बस्तियों और संरचनाओं पर उतना भयंकर न होता। हालांकि, आज नंदादेवी बायोस्फीयर जैसे संरक्षित क्षेत्रों में भी विभिन्न प्रोजेक्ट, जैसे जल विद्युत परियोजनाएं, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और वेडिंग डेस्टिनेशन जैसी गतिविधियों को लेकर प्रवेश किया जा रहा है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई है। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद, जीएसआई ने 2014–16 में एक विशेष अध्ययन किया, जिसमें उत्तराखंड में 486 ग्लेशियल झीलों की पहचान की गई, जिनमें से 13 अत्यधिक जोखिमपूर्ण हैं। इन झीलों में से 71 ऋषिगंगा और धौलीगंगा घाटियों के ऊपर स्थित हैं, जो भूकंप, बादल फटने या भूगर्भीय कारणों से विखंडित हो सकती हैं। मानवीय कारणों से अब ग्लेशियरों से हिमखंड टूटने की घटनाओं का जोखिम बढ़ गया है। यदि हिमखंडों के गिरने या बहने के रास्ते के भूभागों को कमजोर किया गया, तो फ्लैश फ्लड की संभावना बढ़ सकती है। ऐसे में हमें ग्लेशियरों की अनदेखी करने की बजाय उनके संवेदनशील क्षेत्रों जैसे नंदादेवी बायोस्फीयर और गंगोत्री, केदारनाथ के आसपास के संरक्षित क्षेत्रों को पारिस्थितिकीय असंतुलन से बचाने की नीति अपनानी चाहिए। ग्लेशियरों के नीचे पहाड़ी दरारों में पानी जमना और बर्फ का पिघलना भी एक सतत प्रक्रिया है, जो पहाड़ों को कमजोर करती है। इस प्रकार, ग्लेशियर अपने नीचे की चट्टानों को कमजोर करके उनका क्षरण करता रहता है, जिससे और भी अधिक खतरे पैदा हो सकते हैं।

{ उन्हें आर्थिक और सामाजिक–विकास का पुरस्कार मिलने के बजाय सजा मिलेगी। यह तर्क गलत नहीं है, पर देश के विकास में क्षेत्रीय असंतुलन के ऐतिहासिक कारणों को भी समझना होगा और भविष्य की संभावनाओं को भी देखना होगा। दक्षिण के राज्यों की लाभकारी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए वहां पूंजी–निवेश बेहतर हुआ है। यह सारी पूंजी उसी इलाके में संचित ... }

संसदीय सीटों के परिसीमन के यक्ष प्रश्न

प्रमोद जोशी

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से देश के राजनेताओं और विश्लेषकों के एक तबके ने दो–तीन बातों पर जोर देना शुरू कर दिया है। वे कहते हैं कि भारत में संविधान खतरे में है, लोकतंत्र विफल हो रहा है और यह भी कि लोकतंत्र का मतलब चुनाव जीतना भर नहीं होता। लोकतंत्र ही नहीं, संघवाद को भी खतरे में बताया जा रहा है। बीजेपी के हिंदू–राष्ट्रवाद की अतिशय केंद्रीय–सत्ता को लेकर भी उनकी आपत्तियां हैं। इधर तमिलनाडु से हिंदी–साम्राज्यवाद को लेकर बहस फिर से शुरू हुई है, जिसमें संसदीय–सीटों के परिसीमन को लेकर आपत्तियां भी शामिल हैं। दक्षिण के नेताओं का तर्क है कि यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होगा, तब दक्षिण के राज्य नुकसान में रहेंगे, जबकि जनसंख्या–नियंत्रण में उनका योगदान उत्तर के राज्यों से बेहतर रहा है। उनका सुझाव है कि संसदीय परिसीमन में संघवाद के मूल्यों का अनुपालन होना चाहिए। परिसीमन से जुड़े इन्हीं सवालों को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 5 मार्च को चेन्नई में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा– तमिलनाडु अपने अधिकारों के लिए बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर है। परिसीमन का खतरा दक्षिणी राज्यों पर डैमोक्लीज की तलवार की तरह मंडरा रहा है। मानव विकास सूचकांक में अग्रणी तमिलनाडु के सामने गंभीर खतरा खड़ा है। उनका

यह भी कहना है कि अभी तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन की प्रक्रिया से इनकी संख्या घटकर 31 रह जाने की संभावना है। बात सिर्फ संख्या में कमी की नहीं है, यह हमारे अधिकारों का मामला है। स्टालिन के इस बयान के फौरन बाद गृहमंत्री अमित शाह ने कहा परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों को एक भी सीट नहीं गंवानी पड़ेगी। उन्होंने तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों की लंबे समय से चली आ रही इस आशंका को दूर करने का प्रयास किया कि यदि नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया गया तो संसद में उनका प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा। हालांकि इन प्रश्नों पर विचार करने के लिए परिसीमन आयोग का गठन करना होगा, पर आज जो बातें हो रही हैं, वे कयासों और अटकलों पर आधारित हैं। संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जाएगा। यह परिसीमन प्रक्रिया, संसद के एक अधिनियम के तहत गठित 'परिसीमन आयोग' द्वारा की जाती है। इस तरह की कवायद 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद की गई थी। इसमें इन सदनों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का निर्धारण भी शामिल है। वर्ष 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सीटों की संख्या 494, 522 और 543 तय की गई थी, जब जनसंख्या क्रमशः 36.1, 43.9 और 54.8 करोड़ थी। इसका मोटे तौर पर मतलब है कि प्रत्येक सीट पर औसतन क्रमशः 7.3, 8.4 और 10.1 लाख आबादी थी। जनसंख्या–नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए 1971 की जनगणना के बाद से इसे स्थिर रखा गया है ताकि अधिक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों में सीटों की संख्या अधिक न हो। यह कार्य 1976 में हुए 42वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से पहले वर्ष 2000 तक के लिए किया गया था। फिर 84वें संशोधन अधिनियम द्वारा 2026 तक बढ़ा दिया गया था। अभी जिस जनसंख्या के आधार पर सीटों की संख्या तय है, वह 1971 की जनगणना के अनुसार है। 2026 के बाद पहली जनगणना के आधार पर इस संख्या को फिर से समायोजित किया जाएगा। अभी लगता नहीं कि 2026 के पहले वह जनगणना हो भी पाएगी या नहीं, जिसे 2021 में होना था। यह देखते हुए कि विधायिका में महिलाओं का आरक्षण भी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा हुआ है, इसमें देरी दिक्कत पैदा करेगी। राज्यों में भी जनसंख्या वृद्धि में समतुल्यता के लिए सीटों की संख्या को 1971 की जनगणना के अनुरूप फ्रीज कर दिया गया है। 84वें संविधान संशोधन ने प्रावधान किया था कि परिसीमन की कवायद साल 2026 के बाद पहली जनगणना पर आधारित होगी। बहरहाल, पहले इस बात पर विचार करना होगा कि परिसीमन की नई प्रक्रिया में केवल राज्य की जनसंख्या का आनुपातिक प्रतिनिधित्व होगा या नहीं। आनुपातिक संख्या पर नजर डालें, तो तमिलनाडु की यह चिंता जायज है। थोड़ी देर के लिए तमिलनाडु और अविभाजित बिहार की जनसंख्या की वृद्धि दरों (1971–2024) में अंतर देखा जा सकता है। मतदाताओं की संख्या के जो नवीनतम अनुमानित आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके अनुसार अविभाजित बिहार में 233 फीसदी की वृद्धि हुई है जबकि तमिलनाडु में 171 फीसदी। 1971 की जनगणना के आधार पर 1977 की लोकसभा में भारत के प्रत्येक सांसद ने औसतन 10.11 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व किया। इसी औसत को आज की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर रखेंगे, तो लोकसभा सदस्यों की संख्या करीब 1,400 हो जाएगी। ऐसी स्थिति में यूपी (उत्तराखंड सहित) की सीटें करीब तिगुनी हो जाएंगी, अर्थात 250 तक और बिहार (झारखंड सहित) में 169 हो जाएगी। तमिलनाडु की वर्तमान 39 से बढ़कर 76 और केरल में 20 से बढ़कर 36 होंगी। पर यह औसत अब काम नहीं करेगा। नए संसद भवन में लोकसभा की 888 सीटें हैं, इसलिए यह फॉर्मूला भी बदलेगा। यह औसत 15 लाख होगा या 20 लाख या कुछ और। दक्षिणी राजनीति का तर्क है कि परिसीमन से राष्ट्रीय मंच पर उनकी आवाज और उपस्थिति कम होगी।

मोदी- ट्रंप की दोस्ती नहीं आई भारत के किसी काम, 2 अप्रैल से भारत पर Reciprocal Tariffs लगायेगा अमेरिका

राष्ट्रपति पद पर दोबारा लौटने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में दिये गये अपने पहले संबोधन में कई बड़े ऐलान तो किये ही हैं साथ ही अपने कई हालिया फैसलों के लिए हो रही उनकी आलोचनाओं का भी करारा जवाब दे दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह टैरिफ युद्ध को अमेरिका के लिए फायदेमंद बताया, जिस तरह एलन मस्क की ओर से गैर-जरूरी कर्मचारियों को सरकारी नौकरी से हटाये जाने को सही ठहराया, जिस तरह अपनी विस्तारवादी नीति को सही ठहराया वह दर्शाता है कि ट्रंप जो बातें ठान कर व्हाइट हाउस में आये थे उसे वह पूरा करके ही दम लेंगे। ट्रंप ने अपने संबोधन में आव्रजन, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा की दिशा में उठाए गए कदमों पर चर्चा की।

हम आपको बता दें कि ट्रंप ने जब यह कहा कि उनके हालिया फैसलों की वजह से अमेरिका वापस आ गया है और अमेरिका का विश्वास व सम्मान लौटा है तो इसके विरोध में कुछ डेमोक्रेट बाहर चले गए। 100 मिनट का यह भाषण आधुनिक अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति की ओर से कांग्रेस में दिया गया सबसे लंबा भाषण था। इस भाषण को सिर्फ अमेरिकी कांग्रेस में बैठे नेता ही नहीं सुन रहे थे बल्कि विश्व नेता भी ट्रंप के भाषण पर करीब से नजर रख रहे थे।

ट्रंप ने अपने भाषण के केवल कुछ मिनट ही विदेश नीति को समर्पित किये और अर्थव्यवस्था से जुड़े बिंदुओं को गहराई से छुआ। ट्रंप ने साफ कहा कि शुल्क अमेरिका को फिर से अमीर और महान बनाने के लिए हैं। ट्रंप ने संघीय बजट को संतुलित करने की कसम खाई, यहां तक कि उन्होंने सांसदों से एक व्यापक कर कटौती एजेंडा लागू करने का आग्रह भी किया। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कांग्रेस को इस साल के अंत में देश की ऋण सीमा बढ़ाने की जरूरत है या फिर विनाशकारी डिफॉल्ट का जोखिम उठाना होगा। ट्रंप ने बार-बार अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन पर विभिन्न फैसलों को लेकर हमला भी किया। राष्ट्रपति ने साथ ही अरबपति व्यवसायी एलन मस्क और उनके सरकारी दक्षता विभाग की प्रशंसा की, जिन्होंने 100,000 से अधिक संघीय कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है, अरबों डॉलर की विदेशी सहायता में कटौती की है और कई एजेंसियों को बंद कर दिया है। राष्ट्रपति ने मस्क को सैकड़ों अरब डॉलर की धोखाधड़ी की पहचान करने का श्रेय भी दिया। गैलरी में बैठे मस्क को रिपब्लिकन से भी सराहना मिली।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से 4.5 ट्रिलियन डॉलर की व्यापक योजना पारित करने का आह्वान किया, जो उनके 2017 के कर कटौती का विस्तार करेगी, सीमा सुरक्षा कड़ी करेगी और बड़े पैमाने पर निर्वासन के काम के लिए निधि देगी। ट्रंप ने कहा कि पिछले महीने अवैध रूप से सीमा पार करने की घटनाएं अब तक की सबसे कम रहीं क्योंकि उनका प्रशासन इस समस्या को पूरी तरह खत्म करने के लिए सख्त कदम उठा रहा है।

इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन सहित अन्य देशों द्वारा उच्च शुल्क लगाए जाने की आलोचना करते हुए इसे 'बेहद अनुचित' करार दिया है। ट्रंप ने साथ ही घोषणा की है कि अगले महीने से जवाबी शुल्क लगाए जाएंगे। ट्रंप ने मंगलवार रात अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'अन्य देशों ने दशकों से हमारे खिलाफ शुल्क लगाए हैं और अब हमारी बारी है कि हम उन देशों के खिलाफ इसका इस्तेमाल करें।' उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू), चीन, ब्राजील, भारत, मेक्सिको और कनाडा क्या आपने उनके बारे में सुना है। ऐसे अनेक देश हैं जो हमारी तुलना में हमसे बहुत अधिक शुल्क वसूलते हैं। यह बिल्कुल अनुचित है।' राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क को लेकर अपना पक्ष रखा और कहा कि ये दो अप्रैल से लगाए जाएंगे। अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हमारे उत्पादों पर चीन का औसत शुल्क दोगुना है... और दक्षिण कोरिया का औसत शुल्क चार गुना ज्यादा है। जरा सोचिए चार गुना ज्यादा और हम दक्षिण कोरिया को सैन्य रूप से तथा कई अन्य तरीकों से इतनी मदद देते हैं। लेकिन यही होता है। यह दोस्त और दुश्मन दोनों की तरफ से हो रहा है। यह प्रणाली अमेरिका के लिए उचित नहीं है और

व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल में कांग्रेस को पहली बार संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, 'भारत हमसे 100 प्रतिशत से अधिक ऑटो शुल्क वसूलता है।' उन्होंने कहा कि हम भी जवाब में वैसे ही शुल्क लगाएंगे। हम आपको याद दिला दें कि फरवरी में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि उनका प्रशासन 'जल्द' भारत और चीन जैसे देशों पर जवाबी शुल्क लगाएगा, उन्होंने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान भी यह बात कही थी। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत को अमेरिका के जवाबी शुल्क से नहीं बख्शा जाएगा। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया है कि शुल्क संरचना पर कोई भी उनसे बहस नहीं कर सकता।

उन्होंने यूक्रेन के साथ खनिज सौदे को आगे बढ़ाने की इच्छा का संकेत भी दिया। ट्रंप ने कहा, 'आज ही, हमने रूस के साथ गंभीर चर्चा की है और हमें मजबूत संकेत मिले हैं कि वे शांति के लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा कि उन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से एक अहम पत्र मिला है जिसके मुताबिक उनका देश शांति के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा कि हम इसे हर हाल में हासिल करके रहेंगे। वहीं उन्होंने मध्य पूर्व में शांति लाने और अब्राहम समझौते का विस्तार करने के अपने वादों को दोहराया है।

बहरहाल, देखना होगा कि अमेरिका की ओर से लगाये जाने वाले टैरिफ पर भारत का क्या रुख रहता है। वैसे हम आपको यह बता दें कि चीन ने ट्रंप द्वारा उसके निर्यात पर दूसरे दौर का 10 प्रतिशत शुल्क लगाने के जवाब में अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त 15 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। चीन ने इसके साथ ही विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में अमेरिका के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी है। हालांकि, चीन ने एक-दूसरे की चिंताओं को दूर करने के लिए वार्ता के लिए दरवाजे खुले रखे हैं।

दूसरी ओर, विशेषज्ञों ने राय जताई है कि अमेरिका द्वारा चीन, मेक्सिको और कनाडा पर उच्च शुल्क लगाए जाने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपना निर्यात बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने कहा है कि जिन क्षेत्रों को लाभ हो सकता है उनमें कृषि, इंजीनियरिंग, मशीन उपकरण, परिधान, कपड़ा, रसायन और चमड़ा शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जब अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाया था, तो भारत चौथा सबसे बड़ा लाभार्थी था।

लय वापिस पाने की कोशिश कर रहा हूं, मेरे ऊपर अधिक जिम्मेदारी है : शमी

दुबई। मोहम्मद शमी ने स्वीकार किया कि भारत के अकेले प्रमुख तेज गेंदबाज होने के नाते उन पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की जरूरतों पर खरे उतर सकें। चोट से उबरकर वापसी करने वाले शमी ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान हर्षित राणा या हार्दिक पंड्या के साथ नयी गेंद संभाली। राणा अभी नये हैं और पंड्या हरफनमौला हैं जो आम तौर पर वनडे मैच में दस ओवर नहीं डालते। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में आठ विकेट लिये हैं।

उन्होंने आस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में चार विकेट से मिली जीत के बाद मिश्रित जोन में कहा, ''मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिये ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं हैं और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है।'' शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है लेकिन वह सौ प्रतिशत से ज्यादा देने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा हरफनमौला है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट लेकर मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ प्रतिशत से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं।'' शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिये तैयार हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है। हम सभी आखिर में मजदूर हैं।'' शमी ने कहा, ''मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिये तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर।'' उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है। उन्होंने कहा, ''इससे निश्चित तौर पर फायदा मिला है क्योंकि हम हालात और पिच को बखूबी समझते हैं। एक ही जगह सारे मैच खेलने से फायदा मिला है।''

स्टीव स्मिथ का विवादों से रहा गहरा नाता, झेल चुके हैं बैन, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फूट-फूटकर रोए

चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में भारत से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान और मुख्य बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बुधवार को एक दिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा कि स्मिथ ने अपने साथी खिलाड़ियों को भारत से चार विकेट से मिली हार के बाद अपने फैसले से अवगत करा दिया था। स्टीव स्मिथ का वनडे करियर खत्म हो गया। इस खिलाड़ी ने वनडे में भारतीय फैंस को रुलाया था हालांकि, बतौर कप्तान वह भी एक समय पर काफी भावुक हो गए थे।

स्टीव स्मिथ ने 2015 में करोड़ों क्रिकेट फैंस का दिल तोड़ दिया था। वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया से ही था। भारत के पास मौका था कि वह लगातार दूसरी बार फाइनल में जाए। हालांकि, स्टीव स्मिथ के शतक ने भारी के साथ भारत के अरमानों पर पानी फेर दिया। उन्होंने 93 गेंदों में 105 रन बनाए। उन्होंने एरॉन फिंच के साथ अहम साझेदारी की थी जिसके बाद पर टीम ने 328 रन बनाए और भारतीय टीम 233 रन पर ही ऑलआउट हो गई।

कई देशों के क्रिकेट प्रेमियों को रुलाने के बाद स्टीव स्मिथ की आंखों से भी आंसू बहे। 2018 में जब उनकी कप्तानी में टीम ने बॉल टैम्परिंग की तो वह प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फूट-फूटकर रोने लगए। बॉल टैम्परिंग विवाद पर स्टीव स्मिथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भावुक हो गए। वह अपने कबूलनामे के बीच ही रोने लगए। उन्होंने कहा कि आप मुझे माफ करें। मैं आपको ये बताना चाहता हूं कि ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में इसकी पूरी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। अच्छे लोग भी गलती करते हैं मैंने भी बड़ी गलती की है और ये सब होने दिया। मैंने अपनी तरफ से फैसले लेने में गलती की। उम्मीद है कि मैं इस नुकसान की भरपाई कर पाऊंगा।

जस्टिन ट्रूडो ने टैरिफ वॉर को बताया मूर्खतापूर्ण, ट्रंप पर लगाया व्लादिमीर पुतिन को खुश करने का आरोप

कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी टैरिफ को बहुत मूर्खतापूर्ण कहा और दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू करते हुए रूस को खुश कर रहे हैं। कार्यालय में अपने अंतिम दिनों के दौरान एक स्पष्ट संवाददाता सम्मेलन में, ट्रूडो ने कहा कि ट्रम्प के 25 प्रतिशत टैरिफ के जवाब में कनाडा 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ लगाएगा। क्रोधित ट्रूडो ने कहा कि आज संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे करीबी साथी और सहयोगी, अपने सबसे करीबी दोस्त कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू किया। साथ ही वे झूठ बोलने वाले, हत्यारे तानाशाह व्लादिमीर पुतिन को खुश करते हुए रूस के साथ सकारात्मक रूप से काम करने की बात कर रहे हैं। इसका मतलब समझो। ट्रम्प ने वाशिंगटन के तीन सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ टैरिफ लगाया, मेक्सिको, कनाडा और चीन से तत्काल प्रतिशोध लिया और वित्तीय बाजारों को संकट में डाल दिया। आधी रात के ठीक बाद, ट्रम्प ने मैक्सिकन

और कनाडाई आयात पर 25 प्रतिशत कर या टैरिफ लगा दिया, हालांकि उन्होंने कनाडाई ऊर्जा पर लेवी को 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया। ट्रूडो ने गुस्से में आरोप लगाया कि ट्रंप कनाडाई अर्थव्यवस्था का पूरी तरह पतन चाहते हैं क्योंकि इससे कनाडा को अमेरिका में मिलाना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, ऐसा कभी नहीं होने वाला है। हम कभी भी 51वें राज्य नहीं बनेंगे। बाद में मंगलवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने नरमी के संकेत देते हुए कहा कि शुल्क को रोका नहीं जाएगा, लेकिन ट्रंप कुछ समझौता कर लेंगे।

टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने संन्यास का किया ऐलान, 20 साल के करियर को कहा अलविदा

भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल भी उसी लिस्ट में शामिल हैं। दो शतक से भी लंबे करियर में उन्होंने देश के लिए कई मेडल जीते। उन्होंने बुधवार को अपने शहर में और अपने करीबियों की मौजूदगी में संन्यास का ऐलान किया। शरत ने 5 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

चेन्नई में इसी महीने होने वाला वर्ल्ड टेबल टेनिस स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। शरत के लिए ये मौका काफी खास है क्योंकि उन्होंने करियर की शुरुआत भी इसी टूर्नामेंट के साथ की थी। डब्ल्यूटीटी प्रतियोगिता यहां 25 से 30 मार्च तक खेली जाएगी। शरत ने कहा कि, मैंने अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला गया था, मैं अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच भी चेन्नई में ही खेलूंगा। पेशेवर एथलीट के तौर पर ये मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा।

2003 में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीतने के बाद, उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ 10 वें खिताब हासिल किया। 42 साल की उम्र में भी ये खिलाड़ी दुनिया में सबसे ज्यादा रैंक वाले भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। नई **WTT** रैंकिंग के अनुसार, शरत 42वें स्थान पर हैं। 24 वर्षीय मानव ठक्कर से 18 स्थान ऊपर हैं जो अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

बेखौफ क्रिकेट खेलने लेकिन शांत बने रहने से टी20 में सफलता मिली : रहाणे

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग और घरेलू टी20 में मिली सफलता का

श्रेय शांत रहते हुए बेखौफ क्रिकेट खेलने को दिया। रहाणे ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पिछले सत्र में 164 . 56 की स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाये जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलते हुए भी कामयाबी हासिल की थी। स्किलहब आनलाइन गेम्स फेडरेशन के ब्रांड दूत रहाणे ने कहा, ''मैं हमेशा पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने की सोचता था। पिछले दो तीन साल से हालांकि मैंने आजादी के साथ बेखौफ क्रिकेट खेलने पर जोर दिया।'' उन्होंने कहा, ''मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं लेकिन अपनी प्रक्रिया भी नहीं छोड़ी है। अपने स्वाभाविक खेल को बरकरार रखा है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेरा प्रदर्शन अच्छा था जिससे काफी आत्मविश्वास मिला।'' रहाणे ने कहा, ''यह अपने खेल पर भरोसा करके वर्तमान में रहने और शांतचित्त रहने के बारे में है। मैंने हमेशा अपने खेल में सुधार और उसका पूरा मजा लेने पर जोर दिया।'' चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया पर चार विकेट से मिली जीत के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि भारत फाइनल में पहुंच गया है। मैं टीम को बधाई देता हूं और मुझे यकीन है कि वे फाइनल में अच्छा खेलेंगे।''

रूस को रोकने के लिए अमेरिका-यूक्रेन के बीच खनिज समझौता ज्यादा कारगर उपाय होगा : उपराष्ट्रपति Vance

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा है कि अमेरिका-यूक्रेन के बीच महत्वपूर्ण खनिजों का समझौता, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल स्थापित करने के प्रस्ताव की तुलना में रूस को रोकने के लिए अधिक कारगर उपाय हो सकता है। अमेरिका के प्रमुख सहयोगी देशों ब्रिटेन और फ्रांस ने युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल बनाने का प्रस्ताव रखा है। वेंस ने सोमवार को 'फॉक्स न्यूज चैनल' के सीन हैनिटी के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि यह समझौता अमेरिका को यूक्रेन के महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 'यह किसी ऐसे देश से 20,000 सैनिकों को भेजने की तुलना में बेहतर सुरक्षा गारंटी है

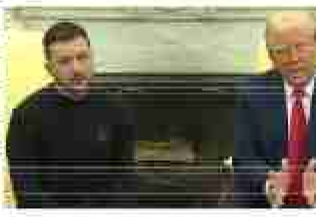

जिसने 30 या 40 वर्षों से कोई युद्ध नहीं लड़ा है।' इन टिप्पणियों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर तथा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच यूक्रेन के मुद्दे पर मतभेदों का पता चलता है। यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन में संघर्ष-पश्चात शांति सेना की स्थापना का आह्वान किया है, ताकि यदि रूस और यूक्रेन युद्ध विराम पर पहुंच जाते हैं, तो रूस को फिर से हमले करने से रोका जा सके। वेंस ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप जानते हैं कि, यदि आप वास्तविक सुरक्षा गारंटी चाहते हैं, यदि आप वास्तव में यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर दोबारा आक्रमण न करें तो सबसे अच्छी सुरक्षा गारंटी यूक्रेन के भविष्य के लिये अमेरिकियों को आर्थिक लाभ देने में है।' राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सोमवार को पुष्टि की थी कि ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी सहायता रोकने का निर्देश दिया है क्योंकि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर रूस के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता में शामिल होने का दबाव बनाना चाहते हैं। पिछले सप्ताह जेलेंस्की की ट्रंप और वेंस के साथ बातचीत के दौरान तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई थी।

साइकिल सवार व्यक्ति को सरकारी बस ने मारी टक्कर, हुई मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर/बहराइच। गोंडा बहराइच रोड पर पयागपुर पावर हाउस के पास सरकारी बस से दुर्घटना हो जाने के कारण एक साइकिल सवार व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे आसपास के लोगों की सहायता से एंबुलेंस के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर ले जाया गया, जहा पर हैड इंजरी होने के

कारण मौत हो गई। मिली जानकारी अनुसार मृत व्यक्ति राजकुमार शुक्ला उम्र 65 वर्ष है जो शुकुलपुरवा सोहरियावां पयागपुर का निवासी है। सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बहराइच भेज दिया।

नवनिर्मित प्राथमिक विद्यालय के भवन का लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर/बहराइच। उच्च प्राथमिक विद्यालय मलावा में बच्चों के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के साथ ही साथ, नवनिर्मित प्राथमिक विद्यालय के भवन का लोकार्पण व उद्घाटन विशिष्ट अतिथि शिक्षक संघ अध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी एवं मुख्य अतिथि विकास क्षेत्र के एआरपी राजेश कुमार मिश्र, ग्राम प्रधान स्वर्णलता द्विवेदी द्वारा नवीन भवन का फीता काटकर शिक्षण कक्षा का उद्घाटन किया गया और कहा कि बहुत दिनों से मांग चल रही थी कि विद्यालय में नवीन भवन हो वह आकर आज पूरा हुआ अब आज से सभी बच्चे इसी कक्षा में पढ़ेंगे। नवीन भवन विद्यालय लोकार्पण के अवसर पर नोडल शिक्षण संकुल मार्तंड त्रिपाठी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोतीलाल सहायक शिक्षिका उम्मे कुलसुम, सपना अग्रवाल, प्रिया श्रीवास्तव बबली सिंह, गुंजा श्रीवास्तव, राजकिशोर पांडेय, सावित्री देवी, संतोष कुमारी सोहनलाल, चिन्ताल शुक्ला, एडवोकेट अमित द्विवेदी, हवलदार मिश्र, राम रूप त्रिपाठी यह अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सम्मान समारोह व परिचय पत्र का हुआ वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन कुशीनगर तहसील

इकाई कसया के द्वारा सम्मान समारोह व परिचय पत्र वितरण का कार्यक्रम होटल ओम रेजिडेंसी में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कुशीनगर सांसद श्री विजय कुमार दुबे विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद श्री राजेश पाण्डेय, पूर्व विधायक श्री रजनीकांत मणि त्रिपाठी व संरक्षक श्री ओम प्रकाश जायसवाल मौजूद रहे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार उपाध्याय ने किया। तहसील अध्यक्ष .ष्ण मोहन पाण्डेय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान जिला सचिव मुकेश नाथ तिवारी, उपाध्यक्ष फैजुल हक, संगठन मंत्री सत्येंद्र पाण्डेय, तहसील अध्यक्ष कप्तानगंज फरेंद्र पाण्डेय, मंडलीय प्रतिनिधि राजेश शुक्ला, ब्लॉक प्रभारी फाजिलनगर उमेश पाण्डेय, व कसया तहसील इकाई के सम्मानित पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

कामाख्या धाम महोत्सव में कल उद्घाटन के दिन शिरकत करेंगी अपर्णा यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

अयोध्या। मां कामाख्या धाम महोत्सव का आगाज कल से, 6 मार्च से 12 मार्च तक होगा सात दिवसीय मां कामाख्या धाम महोत्सव का आयोजन, कल उद्घाटन के दिन राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव दुरदुरिया कार्यक्रम में होंगी शरीक। कल ही भोजपुरी के सुपरस्टार गायक अभिनेता पवन सिंह भी बिखेरेंगे जलवा, महोत्सव में राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता कवि सम्मेलन व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे आयोजित, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव कर रहे महोत्सव का आयोजन।

अमवा कबीर मठ के महंथ बने राजेंद्र दास

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनकापुर/गोण्डा। ग्राम पंचायत लक्ष्मी नगर ग्रंट में स्थित कबीर मठ सोमवार को सुबह अमवा के महंथ बृजेन्द्र दास के देहावसान के बाद संत कबीर के मुल जन्म स्थली चौरा धाम म गहर के मठ के महंथ विचार साहब ने अमवा मठ पर पहुँच कर दिवंगत आत्मा को दुख प्रकट करते हुए पुष्प वर्षा कर समाधि दिलाया और खाली गद्दी पर महंथ बीरेंद्र दास के पुराने शिष्य रहे राजेंद्र दास को अमवा कबीर मठ का नया महंथ नियुक्त कर ग्राम प्रधान, राधा .ष्ण शिष्य,ग्रामीण जनो एवं अन्य मठो के महंथो की उपस्थिति में मठ की जिम्मेदारी देदी। महंथ विचार साहब ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे इस मठ के बीरेंद्र दास महंथ जी का स्वर्गवास होजाने से हम लोगो को काफी दुख है इस दुख कि घड़ी मे हम दिवंगत आत्मा को नमन करते हुए इस खाली मठ के गद्दी पर नए महंथ राजेंद्र दास को नियुक्त किया जाता हैं आज से इस मठ की जिम्मेदारी नए महंथ की होगी।

आगामी त्यौहारों को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम व एसपी ने की पीस कमेटी/शांति समिति की बैठक

त्यौहारों के दौरान चप्पे-चप्पे पर होगी पुलिस एवं प्रशासन की नजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। आगामी आयोजित होने वाले होली एवं रमजान (ईद) त्यौहारों को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। जहां लोग त्यौहार को लेकर उत्साहित हैं और खरीददारी में जुटे हुए हैं। वहीं पुलिस और प्रशासन ने भी कमर कस ली है। इसी के तहत त्यौहार पर शांति व्यवस्था व आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से बुधवार को जिला पंचायत सभागार में पीस कमेटी की मीटिंग की गई। बैठक जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, सभी थानाध्यक्ष व सीओ, समस्त एसडीएम, धर्मगुरु और संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों ने की लोगों से अपील

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बैठक में मौजूद धर्मगुरुओं और संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद करते हुए उन्हें आगामी होली एवं रमजान ईद त्योहारों को शांति पूर्वक मनाने और किसी भी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के बारे में समझाया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यदि कोई भी व्यक्ति धार्मिक भावनाएं भड़काने या दुर्व्यवहार करने का प्रयास करेगा, तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। सभी लोगों से अपील करते हुए उन्हें समझाया गया कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। जिससे शांति व्यवस्था बनी रहे और सभी लोग त्योहार को शांति पूर्व ढंग से मना सके इसके अलावा उन्होंने कहा कि युवा या अन्य कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर इस प्रकार की पोस्ट ना करें जिससे कि आपसी माहौल बिगड़े। बैठक में अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी एवं पश्चिमी, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी, समस्त थानाध्यक्ष सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्राम सभा की भूमि से हटा लें कब्जा, नहीं तो होगी कार्रवाई

देवरिया। डीएम दिव्या मित्तल के निर्देश पर एसडीएम दिशा श्रीवास्तव ने ब्लॉक सभागार में तहसील क्षेत्र के ग्राम प्रधानों और सचिव के साथ बैठक की। सार्वजनिक और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वालों पर शिकंजा कसने के साथ कब्जा खाली कराने की रणनीति बनाई गई। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा की भूमि से कब्जा हटा लें, नहीं तो कार्रवाई होगी।

एसडीएम दिशा श्रीवास्तव ने कहा कि तहसील क्षेत्र के 202 ग्राम सभा की भूमि पर कब्जा है। इसे अभियान चलाकर हटाया जाएगा। इस अभियान को ऑपरेशन कब्जा मुक्ति नाम दिया गया है। इसके तहत अतिक्रमण हटाने से पहले अतिक्रमण करने वाले लोगों को प्रशासन की तरफ से डुग्गी-मुनादी और नोटिस आदि के माध्यम से सूचित भी किया जाएगा। 15 मार्च से सार्वजनिक भूमि पर किए गए कब्जे को अभियान चलाकर हटाया जाएगा। अगर कोई अतिक्रमण हटाने में रोड़ा पैदा करता है तो प्रशासनिक स्तर से उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने कहा कि ग्राम सभा की बंजर भूमि पर कब्जा कर लिया गया है। इसके चलते विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन स्थानों पर सरकार की तरफ से चलाई जा रही विकास योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। तहसीलदार अलका सिंह ने कहा कि प्रकरणों का चिह्नांकन पिछले छह माह में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त प्रार्थनापत्र, तहसीलदार न्यायालय से बेदखली के मुकदमों में पारित आदेश और लेखपालों की तरफ से उपलब्ध कराई गई रिपोर्ट के आधार पर किया गया है।

ग्राम प्रधान और सचिव खुद पहल कर अतिक्रमण खाली करा दें अन्यथा तहसील प्रशासन नि. र्धारित तिथि पर पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ हटवा देगी। इस दौरान नायब तहसीलदार गोपालजी, हरि प्रसाद, प्रधान संघ जिला अध्यक्ष महेश्वर मिश्र, वीर बहादुर कुशवाहा, रामनारायण यादव, अन्नु सिंह, चंदन यादव आदि मौजूद रहे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत की पुष्टि

देवरिया। मौसेरी बहन के तिलक समारोह से लापता मजदूर का शव सुबह परसौनी गांव के बाहर पेड़ पर फंदे पर लटका मिला। युवक ने खुद ही फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिंग बताया गया है। ऐसे में पुलिस ने आत्महत्या की वजह तलाशने के लिए मृतक के मोबाइल को कब्जे में लिया है। भटनी थाना क्षेत्र के सल्लहपुर गांव निवासी विपिन कुमार रविवार की रात मौसेरी बहन का तिलक लेकर साहोमार गांव गया था। रात में साढ़े दस बजे भोजन के बाद वह अचानक समारोह से लापता हो गया। सुबह पुलिस को विपिन का शव पेड़ पर एक रस्सी से लटका मिला था। जानकारी पर पहुंची पत्नी व रिश्तेदारों ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए मामले की जांच की मांग की। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि होने के बाद पुलिस आत्महत्या की वजह जानने में जुट गई। इसके लिए पुलिस ने मृतक का मोबाइल कब्जे में लेकर कॉल डिटेल खंगाल रही है। एसओ अश्वनी प्रधान ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत की वजह हैंगिंग से होने की पुष्टि हुई है। आत्महत्या का कारण जानने के लिए मोबाइल कब्जे में लेने के बाद करीबियों से पूछताछ की जा रही है।

आक्रामक कुत्तों से सम्बन्धित समस्या के लिए ईओ, बीडीओ व पशु चिकित्साधिकारियों को करें सूचित : डीएम,बहराइच

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच जिले में कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जनपदवासियों से अपील की है कि अपने स्तर पर सावधानी बरतें तथा परिवार के छोटे बच्चों को अकेले जाने आने न दें। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अथवा शहरी क्षेत्र में यदि आक्रामक कुत्तों एवं बन्दरों इत्यादि से सम्बन्धित कोई समस्या है तो तत्काल सम्बन्धित क्षेत्र के नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों खण्ड विकास अधिकारियों एवं पशु चिकित्साधिकारियों के

मोबाइल नम्बर पर इसकी सूचना अवश्य दें। विकास खण्ड मिहींपुरवा हेतु मो.नं. 9454464805, नवाबगंज हेतु मो.नं. 9454464806, बलहा हेतु मो.नं. 9454464807, शिवपुर हेतु मो.नं. 9454464808, रिसिया हेतु मो.नं. 9454464809, चित्तौरा हेतु मो.नं. 9454464810, महसी हेतु मो.नं. 9454464811, तेजवापुर हेतु मो.नं. 9454464812, फखरपुर हेतु मो.नं. 9454464813, हुजूरपुर हेतु मो.नं. 9454464814, कैसरगंज हेतु मो.नं. 9454464815, जरवल हेतु मो.नं. 9454464816, विशेश्वरगंज हेतु मो.नं. 9454464817 एवं पयागपुर हेतु मो.नं. 9454464818 पर सूचित किया जा सकता है। इसी प्रकार नगर पालिका परिषद बहराइच व नगर पंचायत पयागपुर हेतु मो.नं. 8189078341, नगर पालिका परिषद नानपारा व नगर पंचायत रूपईडीहा हेतु मो.नं. 8189078342, नगर पंचायत जरवल हेतु मो. नं. 9415247856, कैसरगंज हेतु मो.नं. 9026966884, रिसिया हेतु मो.नं. 9454416033 तथा नगर पंचायत मिहींपुरवा हेतु मो.नं. 9140786213 पर सूचित किया जा सकता है।

मिठाई पर लगा चांदी का वर्क... असल में एल्युमिनियम की परत

महराजगंज। मिठाई खरीदते समय चमक पर गए तो सेहत खराब हो जाएगी। जिसे चांदी का वर्क समझा जाता है असल में वह एल्युमिनियम की परत होती है। इससे सेहत को खतरा रहता है। त्योहारी सीजन पर चमकीली परत लगी मिठाइयां सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। वजह मुनाफाखोरी के लिए कई दुकानों पर चांदी के वर्क की बजाए एल्युमिनियम का वर्क लगाया जा रहा है। चांदी की तुलना में एल्युमिनियम वर्क सस्ता होने के कारण इसकी बिक्री भी जोरों पर है। डॉक्टरों के अनुसार एल्युमिनियम का सर्वाधिक असर लीवर और गुर्दे पर पड़ता है। शरीर में एल्युमिनियम के अधिक मात्रा में जाने से कई घातक रोग भी हो जाते हैं। वहीं असली वर्क दिमाग की नसों को आराम देता है और सेहत के लिए फायदेमंद होता है। शहर से लेकर देहात तक की दुकानों पर मिठाइयां बन रही हैं। उसे आकर्षक लुक देने के लिए उसमें नई-नई चुंदगा को लाया जा रहा है। इसी क्रम में गुलाब जामुन सहित अन्य दूध के सूखे मिठाई में चांदी का वर्क लगाया जाता है लेकिन चांदी का भाव एक लाख के करीब पहुंचने से इसमें भी दुकानदार एल्युमिनियम और केमिकल का प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे में मिठाई की दुकानों के शो केस में चांदी का वर्क लगी हुई मिठाइयां रखी दिख जाएंगी। लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए चांदी का वर्क खूब लगाया जा रहा है।

दुकानदारों के अनुसार असली चांदी करीब 97 हजार रुपये प्रति किलोग्राम है। इससे बने पेपर की कीमत भी एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के ही आसपास आएगी। इतना महंगा पेपर वर्क इस्तेमाल करने पर मिठाई का दाम भी बढ़ जाएगा। लिहाजा धंधेबाजों ने इसकी जगह एल्युमिनियम वर्क मंगाना शुरू कर दिया। मिठाई में इसलिए इस्तेमाल होता है चांदी वर्क चांदी में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जिससे बैक्टीरिया पनपने की संभावना बहुत कम हो जाती है। चांदी का वर्क लगाने से मिठाइयां लंबे समय तक खराब नहीं होती है। चांदी में एन्टीमाइक्रोबायल गुण होने के कारण मिठाई या भोजन को विषाक्त होने से भी बचाया जा सकता है।

ये मिठाइयां हो सकती है महंगी मिठाई विक्रेता शेषनाथ ने बताया कि चांदी के दाम बढ़ने से चांदी भस्म पाक, काजू कतली, बेसन चक्की, बंगाल मीठा, खोया दिलकुश, खोया अनार, काजू कलश समेत अन्य कई तरह की मिठाइयां महंगी हो सकती हैं। इन सभी मिठाइयों पर चांदी का वर्क चढ़ाया जाता है। चांदी का वर्क 19 रुपये प्रति पत्ती की दर से मिलता दुकानदार रमेशचंद ने बताया कि चांदी का वर्क जिसे सिल्वर लीफ भी कहते हैं, अलग-अलग ब्रांड और पैक साइज के हिसाब से अलग-अलग कीमतों पर मिलता है। 15 ग्राम के पैक में चांदी का वर्क 19 रुपये प्रति पत्ती की दर से मिलता है। महंगाई बढ़ने से इनके दाम में इजाफा हो सकता है।

हवा के संपर्क में आते ही ऑक्सीकृत हो जाती है चांदी

जानकारों के मुताबिक आम लोग भी मिठाई में चांदी के वर्क को लेकर उसमें मिलावट की पहचान कर सकते हैं। जहां एल्युमिनियम फॉयल लंबे समय तक चमकीला और चमकदार रहता है, वहीं चांदी हवा के संपर्क में आते ही ऑक्सीकृत हो जाती है जिससे वह हल्की लाल होने के साथ सफेद रंग फीका पड़ जाता है। खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम के तहत खाने योग्य चीजों में उपयोग के लिए चांदी की पन्नी 99.9 प्रतिशत शुद्ध होनी चाहिए। एल्युमिनियम फॉयल सफेद-ग्रे होता है और सांद्र हाइड्रोक्लोरिक एसिड में आसानी से घुलनशील होता है, जबकि सिल्वर फॉयल नहीं होता है। मिठाइयों पर गलत फॉयल का इस्तेमाल करने से एक्यूट गैस्ट्राइटिस, गंभीर डायरिया, पेचिश, डिहाइड्रेशन और किडनी में सूजन हो सकती हैं।

दंगा नियंत्रण अभ्यास एवं बलवा ड्रिल का पूर्वाभ्यास कर तैयारियों की गयी समीक्षा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आगामी पर्व होली, ईद, रमजान को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने तथा जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन

परिक्षेत्र, गोण्डा अमित पाठक की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में रिजर्व पुलिस लाइन्स, बहराइच स्थित परेड ग्राउंड में दंगा नियंत्रण अभ्यास एवं बलवा ड्रिल के पूर्वाभ्यास का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस बल द्वारा दंगा नियंत्रण उपकरणों जैसे एंटी-राइट गन, टियर गैस गन, रबर बुलेट गन, हैंड ग्रेनेड, मिर्ची बम, वाटर कैनन और लाठी चार्ज आदि के संचालन का पूर्वाभ्यास कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि त्योहारों के चलते सतर्कता, कर्तव्यपरायणता एवं जनता के प्रति संयम और संवेदनशीलता बनाए रखें व भीड़ नियंत्रण, उपद्रव की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी एवं अवांछनीय तत्वों की पहचान संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गये। बलवा ड्रिल के अंतर्गत भीड़ को तितर-बितर करने, आपातकालीन स्थितियों में बल प्रयोग के उचित तरीके एवं साक्ष्य संकलन हेतु फॉरेंसिक टीम की भूमिका आदि का भी पूर्वाभ्यास किया गया। साथ ही संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से निगरानी आदि पुलिस कार्यवाही को भी ड्रिल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। दंगा नियंत्रण अभ्यास एवं बलवा ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा के पश्चात पुलिस महानिरीक्षक द्वारा पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा आरटीसी बैरक तथा विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यों व गुणवत्ता की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर व ग्रामीण, एडीएम बहराइच, क्षेत्राधिकारीगण, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

बिना मानचित्र स्वीकृत कराये बनाई जा रही अवैध प्लांटिग को किया ध्वस्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। बस्ती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता के निर्देश पर बीडीए ने बड़ी कार्यवाही की है। बस्ती गणेशपुर मार्ग पर मूड़घाट के निकट बिना मानचित्र स्वी.त कराये बनाई जा रही अवैध कालोनियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में विकास प्राधिकरण ने आदर्श प्राथमिक

विद्यालय मूड़घाट के निकट राजेन्द्र अग्रवाल व अशफाक द्वारा लगभग 3000 वर्ग मीटर भूमि पर करायी जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। उक्त ध्वस्तीकरण कार्यवाही के दौरान पुलिस बल के अतिरिक्त कमलेन्द्र सिंह मजिस्ट्रेट, प्र० अधिशाषी अभियंता हरिओम गुप्ता, अवर अभियंता रोहित पटेल, व प्राधिकरण कर्मचारी उपस्थित थे। उक्त कालोनी पर प्रशासन की नजर थी। सूत्रों की माने तो बीडीए द्वारा रोके जाने के बावजूद प्रापर्टी डीलर नहीं माने और प्लाटिंग करते गये। खबर ये भी है कि उक्त जमीन में कई लोगों ने अपना प्लाट खरीद रखा था। बीडीए की इस कार्यवाही से प्रापर्टी डीलरों में हड़कम्प मच गया है वहीं जमीन खरीदकर मकान बनाने वालों का भारी नुकसान होने की उम्मीद है। पूरे मामले में बीडीए के अधिशाषी अभियन्ता हरिओम गुप्ता ने बताया की प्रापर्टी डीलर को 4 महीने पहले नोटिस काटी गई थी, लेकिन डीलर की ओर से न कोई सुधार किया गया और न ही नोटिस का जवाब दिया गया। ऐसे में बीडीए को अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाना पड़ा। उन्होने कहा अभी और भी कालोनियां निशाने पर हैं। अभियान चलाकर सभी को ध्वस्त किया जाना है।

कुत्तों के हमलों की पुनरावृत्ति होने पर दण्डित किये जाएंगें अधिकारी : जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद में कुत्तो एवं बंदरों के हमलों पर प्रभावी अंकुश तथा पीड़ित व्यक्तियों के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान वर्चुअली प्रतिभाग कर रहे नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों एवं पशु चिकित्साधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होने पर सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सम्पूर्ण जनपद क्षेत्र में अभियान चलाकर हमलावर कुत्तों के बध्याकरण की कार्यवाही की जाय।

पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को कैम्प लगाकर जानकारी दी जाय मंडलायुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर/नोडल अधिकारी बाल कृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के प्रभारी मंत्री के निरीक्षण की अनुपालन आख्या एवं सी0एम0 डैशबोर्ड उपलब्ध लैगशिप कार्यक्रम एवं जन शिकायत की मासिक समीक्षा बैठक जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ की गयी। इस दौरान मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला संयुक्त चिकित्सालय, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भर्ती मरीजों का ईलाज बेहतर तरीके से करने के साथ ही अस्पताल से ही दवा उपलब्ध करायी जाये। गंभीर स्थिति में मरीजों को अन्यत्र जगह रेफर करने के बाद, उससे वार्ता कर सम्बन्धित अस्पताल में पहुंचने की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहाकि जनपद में जन्में बच्चों की सूचना भी तैयार रखी जाये, किस महीने में कितने बच्चों ने जन्म लिया है। इसी प्रकार से प्रभारी मंत्री द्वारा पूर्व में सम्बन्धित विभाग को महुआ, चिरौंजी आदि के पौधे लगाने के अनुपालन की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित विभाग से रोपित पौधों की समीक्षा की गयी, जिस पर बताया गया कि पौधों का रोपण किया जा चुका है, कुछ स्थानों पर पानी के अभाव में पौध रोपण करना शेष है, पानी उपलब्ध होने पर निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा जनपद में बनाये गये सरोवरों पर सहिजन व अन्य पौधों का रोपण कराते हुए उसकी सुरक्षा व संरक्षण भी किया किया जाये, जिससे भविष्य में बड़ा वृक्ष होकर छाया भी दे सकें। इसी प्रकार से शिक्षा विभाग की समीक्षा कर परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को जूते, मोजे, बैग आदि उपलब्ध करायी जा रही सुविधा के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, उन्होंने कहा कि जनपद में परिषद विद्यालयों के बच्चों को जूते, मोजे, बैग, धनराशि आदि का लाभ न मिलने की शिकायत मिली है। जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के कुछ विद्यालयों के छात्र–छात्राओं का आधार न बन पाने की वजह से इन लाभों से वंचित हैं, जिसके लिए सम्बन्धित विभागों को जन्म प्रमाण–पत्र जारी करने के लिए पत्र प्रेषित किया गया है। जन्म प्रमाण–पत्र बनने से आधार कार्ड बन सकेगा, जिससे इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकेंगे।

मण्डलायुक्त ने सम्बन्धित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्र–छात्राओं का आधार बनाने के लिए जिन विभाग के स्तर से जन्म प्रमाण–पत्र जारी किया जाना है, वो प्राथमिकता के आधार पर सम्बन्धित को रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे, जिससे जन्म प्रमाण–पत्र के जरिये आधार बन सके और इनको परिषदीय विद्यालयों में मिलने वाले लाभों से लाभान्वित किया जा सके। इस कार्य के लिए सम्बन्धित विभाग सूची तैयार करते हुए आपसी समन्वय स्थापित कर जन्म प्रमाण–पत्र के कार्य में तेजी लाना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा की स्थिति में जिस स्तर पर लापरवाही व शिथिलता पायी जायेगी, उनके खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। .षि विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि पी0एम0 कुसुम योजना के तहत किसानों को कैम्प लगाकर जानकारी दी जाये, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान इस योजना से लाभान्वित हो सकें, उन्होंने कहा कि सांवा, कोदो आदि की खेती के लिए जिन .षक बन्धुओं को बीज के कीट उपलब्ध कराये गये हैं, सम्बन्धित विभाग उसका निरीक्षण हर हाल में करना सुनिश्चित करेंगें। जनपद में स्थापित गो–आश्रय स्थलों की समीक्षा करते हुए कहाकि आगामी गर्मी को देखते हुए गोवंशों के लिए हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, इसके लिए जनपद में चारागाह की जमीन को चिन्हित करते हुए हरे चारा को उगाया जाये। जनपद में चल रहे आवास सर्वे के कार्य में तेजी लाया जाये, आवास का सर्वे चल रहा है के बारे में लोगों को जानकारी दी जाये, जिससे गांव के गरीब पात्रों को चयनित करते हुए उन्हें आवास योजना से लाभान्वित किया जाये। उन्होंने कहा कि जुगैल गांव में जिनका घर खपरैल से बना है, उनकी पात्रता की जाँच के आधार पर आवास देने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाये, इस कार्य में सम्बन्धित अधिकारी गांव में कैम्प लगाकर गरीब पात्रों की सूची बनाकर चयनित करना सुनिश्चित करेंगे। मनरेगा योजना के तहत जनपद के मजदूरों को रोजगार दिया जाये, जिससे उनके जीवनकोपार्जन के लिए उनको समस्या का सामना न करना पड़े, मनरेगा के मजदूरों के मजदूरी का भुगतान की कार्यवाही समय से किया जाये। पंचायत राज विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए साप्ताहिक बाजार लगने वाले स्थल को चिन्हित करते हुए वहां पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराने के साथ ही लोगों को साफ–सफाई के प्रति जागरूक भी किया जाये। इसी प्रकार से शहरों में भी स्थल का चयन करते हुए सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कार्य कराया जाये। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना योजना के तहत जो भी शादी करायी जा रही है, वह प्राथमिकता में से एक है, इसलिए शादी के लिए जोड़ों का आवेदन के बाद सत्यापन का कार्य गंभीरता पूर्वक किया जाये। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि जनपद में हर घर नल से जल परियोजना के कार्य में जल्द से जल्द पूरा करते हुए प्रत्येक घरों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाये। जिन क्षेत्रों में हर घर नल से जल योजना के तहत ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है, वहां पर जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा कैम्प का आयोजन कर लोगों को इस पानी को उपयोग करने के लिए जागरूक करें। जहां पर लोराइड की मात्रा अधिक है, वहां पर जल जीवन मिशन के तहत पानी उपलब्ध कराने के लिए योजना को जल्द से जल्द पूरा किया जाये। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जो भी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और जो भी सड़क निर्माण में सामग्री उपयोग किया जा रहा है उस सामग्री के गुणवत्ता की जाँच अवश्य करायें। इस मौके पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर रमेश चन्द्र, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) रोहित यादव, प्रभागीय वनाधिकारीगण, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार, जिला विकास अधिकारी हेमन्त सिंह सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रामीण जीवन ही भारत की मूल प्राण वायु: मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। धार्मिक,आध्यात्मिक, दार्शनिक विचारक व पीठाधीश्वर सिद्ध पीठ श्री हनुमन्निवास अयोध्या धाम के पूज्य संत आचार्य श्री मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज का आगमन मंगलवार को सोनभद्र में हुआ। जहाँ ग्राम्य संस्कृति समृद्धि एवं जीवनबोध गोष्ठी को किया सम्बोधित। गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाराज जी ने कहा कि ग्रामीण जीवन ही भारत की मूल प्राण वायु है। ग्राम्य संस्कृति का अर्थ है जो हमे प्राप्त है उसके प्रति तृप्त होना। ग्रामीण के वास्तविक संदर्भ को समझना होगा। विष्णु सहस्त्रनाम में स्वयं विष्णु जी को ग्रामणि कहा गया है। ग्राम शब्द का अर्थ ही है बाजार से रहित व्यवस्था। बाजार ने व्यक्ति से मूल्य को छीनकर एक यांत्रिक व्यवस्था में स्थापित कर दिया है। जबकि ग्राम्य संस्कृति सहानुभूति आधारित सहकारिता की संस्कृति है। जिसमे बिचौलिए के लिए कोई जगह नहीं है। आज आधुनिकता के दौड़ मे नागरीय व्यवस्था मे मनुष्य मूल्य रहित हो चुका है। उपरोक्त बातें हनुमत निवास के पीठाधीश्वर आचार्य श्री मिथिलेश नंदिनी शरण जी सोनभद्र में आयोजित ग्राम्य संस्कृति, समृद्धि एवं जीवन बोध विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण जी ने कहा कि ग्राम्य संस्कृति में ऐसा कोई भी कार्य नहीं है जिससे अपशिष्ट उत्पन्न हो। ग्रामीण संस्कृति हर चीज को पचाने में सक्षम है। ग्राम्य संस्कृति का जीवन बोध यही है कि हम अपने सुखों को कम करते हुए, एक समावेशी जीवन शैली के आधार पर आने

वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श भविष्य प्रदान करें। बाजार आधारित संस्कृति से इतर ग्राम्य संस्कृति औरजीवन बोध के द्वारा भारत के मौलिक चेतना में वापस आना होगा। और यही कार्य लोक से संवाद द्वारा व्यक्ति के स्तर पर करना होगा। इस माध्यम द्वारा ही भारत के संस्कृति एवं समृद्धि का संरक्षण होगा। पूज्य ने कहा की महाकुंभ को सरकारी योजना कहना भारत के सनातन धर्मभाव का अपमान, मिथिलेशनन्दिनीशरण मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज ने कहा कि 60 से 70 करोड़ लोगों ने कष्ट सहकर स्नान करने महाकुंभ पहुंचे। महाकुंभ को सरकारी योजना कहना भारत के सनातन धर्मभाव का अपमान है। महाकुंभ में इतने श्रद्धालुओं को पहुंचना, यह भारत के धार्मिक भावना का प्रतिफल है कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार पारस मिश्र ने किया। मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज का आगमन राबर्ट्सगंज स्थित होटल ज्योति इंटरनेशनल में हुआ। इसके पूर्व सुत, मधुपुर सहित अन्य जगहों पर भक्तों की ओर से मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज के स्वागत किया गया। होटल में आयोजित ग्राम्य संस्कृति, समृद्धि एवं जीवन बोध गोष्ठी में शामिल होने के बाद मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज विंध्य कन्या पीजी कॉलेज उरमौरा पहुंचे। यहां पर महाराज जी ने पत्रकारों से बातचीत किया, तत्पश्चात कॉलेज की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में भाग लिए। इसके बाद सोनभद्र के आध्यात्मिक, धार्मिक, पौराणिक एवं प्राकृतिक धरोहर शिवद्वार प्रभु भोलेनाथ का दर्शन कर, सोनभद्र के स्थापना दिवस पर सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया कार्यक्रम राहुल जी,हर्ष अग्रवाल जी, कीर्तन जी,पारस नाथ मिश्रा,जगदीश पंथी, प्रभात सिंह चंदेल जी, अरुणेश पांडे जी, लालजी तिवारी, अखिलेश दीक्षित, दयाशंकर पांडे, धनंजय पाठक, प्रदीप पांडे, राज नारायण तिवारी,आनंद त्रिपाठी, प्रद्युम्न त्रिपाठी, डॉ अंजलि विक्रम सिंह, चित्र जालान, अशोक कुमार मिश्रा।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी बेरोजगार युवाओं के हक के लिए लड़ेगी : सोनेन्द्र सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

शक्तिनगर/सोनभद्र। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी की बैठक जयंत में जिलाध्यक्ष सोनेंद्र सिंह रघुवंशी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बेरोजगार युवाओं की अगुवाई करते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष सोनेंद्र सिंह रघुवंशी ने कहा कि निगाही में कार्य कर रही ओ.बी हटाने की कंपनी एवम सिक्कल कंपनी के लगातार बाहर से भर्ती करने पर विरोध जताते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा बनाई गई लिस्ट जिसमें से भर्ती होनी थी जिसे दरकिनार कर बाहर से भर्ती की जा रही है कंपनी के एच.आर से बात करने पर तानाशाह रवैया अपनाया जाता है अपनी मन मर्जी व हीलाहवाली किया जाता है बेरोजगार युवाओं के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लिस्ट से भर्ती किया जाए। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी बेरोजगार युवाओं के हक के लिए लड़ेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता संतोष पांडे द्वारा कहा गया कि जबकि निगाही अम्लोरी जयंत के लोकल बेरोजगार विस्थापित जिन्हें अब तक रोजगार नहीं मिल पाया है उनकी एक लिस्ट बनाकर पुन: शासन प्रशासन को अवगत कराया जाएगा यह कंपनी के तानाशाह रवैया को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा पार्टी बेरोजगार युवाओं के हक में धरना प्रदर्शन एवं जरूरत पड़ने पर भूख हड़ताल भी करेगी।

मलगवा में शारदा संगोष्ठी वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लाक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय मलगवा में शारदा संगोष्ठी वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन कर धूमधाम से मनाया गया। शारदा संगोष्ठी वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि इंजीनियर अमित कुमार यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शारदा संगोष्ठी वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि इंजीनियर अमित कुमार यादव ने छात्र–छात्राओं को

सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी छात्र–छात्राएं शिक्षा की गुणवत्ता एवं शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित होते हुए मन लगाकर पढ़ें। जिससे विद्यालय एवं क्षेत्र तथा अपने माता पिता के साथ जनपद का नाम रोशन करें। शिक्षा का जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है पढ़– लिखकर उच्च पद पर आसीन होंगे। कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा के शिक्षक राकेश कुमार राज ने कहा कि ऐसे आयोजन होने से बच्चों का मनोबल बढ़ता है। छात्र–छात्राओं ने अपने हुनर व कला का प्रदर्शन करने का एक अच्छा प्लेटफार्म मिलता है। छात्र–छात्राओं अंकिता, अतिमा, अर्चना, शिवानी, शिवांगी, जिया, रोहिनी, प्रियांशी आदि बच्चों ने शारदा संगोष्ठी वार्षिकोत्सव व विदाई में सांस्कृतिक कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना, होली गीत, स्वागत गीत, आहा टमाटर बड़े मजेदार टमाटर, बेटी हमारी अनमोल व पेड़ बचाओ नाटक बच्चों ने प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका गायत्री देवी ने किया। कार्यक्रम संयोजक कंचनलता मिश्रा व जयप्रकाश रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीन कुमार यादव व जय प्रकाश ने किया। प्रधानाध्यापिका गायत्री देवी के कार्यक्रम के अन्त मे आये हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि इंजिनियर अमित कुमार यादव, प्रधानाध्यापिका गायत्री देवी, एसएमसी अध्यक्ष रोहित यादव, आरती देवी, संजीव यादव, मनमोहन, पवन चौरसिया, नीलम सिंह, कमलेश कुमारी, वन्दना यादव, प्रवीन यादव, नरेश पाल, छाया गौतम, कंचनलता मिश्रा, जयप्रकाश, राकेश राज, सिद्धार्थ कुमार, राकेश जायसवाल व ग्रामीण मौजूद रहे।

जेनरेटिव एआई, प्राकृतिक भाषा संसाधन और फेडरेटेड लर्निंग पर चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र में चल रहे ईपेंस 2025 के चौथे दिन भी तकनीकी सत्रों ने शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों की गहरी समझ प्रदान की। इस

दिन जेनरेटिव एआई, प्रा.तिक भाषा संसाधन और फेडरेटेड लर्निंग जैसे उभरते हुए विषयों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए, जिनमें छात्रों की विशेष भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. नवीन सैनी (आईआईआईटी इलाहाबाद) के व्याख्यान से हुई, जिसमें उन्होंने ष्जेनरेटिव एआई और इसके वास्तविक जीवन पर प्रभावष् पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे जेनरेटिव एआई तकनीकें, जैसे कि चौटबॉट्स और इमेज जनरेशन मॉडल, विभिन्न उद्योगों में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। दूसरे सत्र में डॉ. अवधेश कुमार (बीएचयू, वाराणसी) ने ष्प्रा.तिक भाषा संसाधन (छस्च्)ष् पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भाषा मॉडल, टेक्स्ट प्रोसेसिंग और एनएलपी के उपयोग को समझाया और बताया कि कैसे यह तकनीक मशीन अनुवाद, वॉयस असिस्टेंट और डेटा विश्लेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छात्रों ने इस विषय में गहरी रुचि दिखाई और भाषा मॉडल की कार्यप्रणाली पर प्रश्न पूछे। अंतिम सत्र में डॉ. ओम जी पांडेय (आईआईटी–बीएचयू, वाराणसी) ने ष्फेडरेटेड लर्निंगष् विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह तकनीक कैसे डेटा गोपनीयता बनाए रखते हुए वितरित मशीन लर्निंग को संभव बनाती है। प्रतिभागियों ने फेडरेटेड लर्निंग के अनुप्रयोगों और इसकी चुनौतियों पर गहन चर्चा की। ईपेंस 2025 का यह सत्र आधुनिक प्रौद्योगिकियों को समझने और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

मैदा, नमकीन और काली मिर्च में भी मिलावट की पुष्टि...होली में रहें सतर्क

देवरिया। खाद्य पदार्थों के सैंपल लगातार फेल हो रहे हैं। ऐसे में होली के लिए खरीदारी के दौरान आपको ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता है। आपकी जरा सी चूक होली का रंग फीका कर सकती है। चायपत्ती में मिलावट की पुष्टि होने के बाद नमकीन, मैदा, बेसन और काली मिर्च के सैंपल भी फेल पाए गए हैं। जांच में ये अधोमानक और असुरक्षित मिले हैं। खाद्य सुरक्षा और औषधि । विभाग संबंधित दुकानों को नोटिस भेजने की तैयारी कर रहा है। इन दुकानों से बिक्री और भंडारण पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। खाद्य पदार्थों में बड़े पैमाने पर मिलावटखोरी हो रही है। मुनाफाखोर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। आए दिन खाद्य पदार्थों के फेल हो रहे नमूने इसकी पुष्टि कर रहे हैं। मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा और औषधि विभाग की टीम रोजाना नमूने ले रही है। त्योहार विशेष के मौके पर नमूने लेने की प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। दूध, पनीर, खोवा, रंगीन नमकीन, सरसों तेल, रिफाइंड आदि में मिलावट के अधिकांश मामले आते हैं। होली को देखते हुए मिलावट की रोकथाम के लिए 6 से 13 मार्च तक अभियान चलाया जाएगा। नमकीन, बेसन, काली मिर्च और मैदा जांच में पाई गई असुरक्षित रु खाद्य सुरक्षा और औषधि विभाग की ओर से दो माह पहले भेजे गए नमकीन के सैंपल जांच में अध ोमानक यानि मिलावटी और असुरक्षित पाए गए हैं। इनमें अखाद्य पदार्थों की मिलावट पाई गई है। पैकेट पर इनग्रेडिएंट (सामग्री) के जो मानक लिखे गए थे, जांच में उसके अनुरूप नहीं मिले। काली मिर्च भी अधोमानक और असुरक्षित पाई गई है।

श्रीकृष्ण की परम भक्त मीराबाई की भक्ति चरित्र लीला का हुआ मंचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नगर स्थित रामलीला मैदान चल रहे रासलीला के सातवें दिन भगवान श्री.ष्ण की परम भक्त मीराबाई की भक्ति चरित्र लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर स्वामी दाऊदयाल की मण्डली द्वारा प्रस्तुत ब्याह गीत लगन मोहे लागी तेरे नाम की, राधिका गोरी से बृज की छोरी से मैय्या कराय दे मेरो भजन पर श्रद्धालुगण जमकर थिरके। वृंदावन के मंझे हुए कलाकारों द्वारा लीला मंचन में दिखाया गया कि राजपरिवार में जन्मी मीराबाई के बाल मन में .ष्ण की ऐसी छवि बसी थी कि यौवन काल से लेकर मृत्यु तक मीरा ने .ष्ण को ही अपना सब कुछ माना। मीरा बाई के बचपन में एक दिन उनके पड़ोस में किसी बड़े आदमी के यहां बारात आई थी। सभी स्त्रियां छत पर खड़ी होकर बारात देख रही थीं। मीरा बाई भी उनके साथ बारात देख रही थीं। इस दौरान

मीरा ने अपनी माता से पूछा कि मेरा दूल्हा कौन है।

इस पर मीराबाई की माता ने श्री.ष्ण की मूर्ति की तरफ इशारा कर कह दिया कि यही तुम्हारे दूल्हा हैं। यह बात मीराबाई के बाल मन में एक गांठ की तरह बंध गई। मीराबाई का विवाह मेवाड़ के राज परिवार में राणा सांगा के पुत्र भोजराज से कर दिया गया। इस शादी के लिए पहले तो मीराबाई ने मना कर दिया। पर जोर देने पर वह फूट फूटकर रोने लगी और विदाई के समय .ष्ण की वही मूर्ति अपने साथ ले गई, जिसे उसकी माता ने उनका दूल्हा बताया था। मीराबाई के विवाह के दस बरस बाद उनके पति का देहांत हो गया। मीराबाई के .ष्ण प्रेम को देखते हुए लोक लाज की वजह से मीराबाई के ससुराल वालों ने उन्हें मारने के लिए कई चालें चालीं पर सब विफल रहीं। मीराबाई ने भक्ति को एक नया आयाम दिया है, एक ऐसा स्थान जहां भगवान ही इंसान का सब कुछ होता है। दुनिया के सभी लोभ उसे मोह से विचलित नहीं कर सकते। एक अच्छा खासा राजपाट होने के बाद भी मीराबाई वैरागी बनी रहीं। कालांतर में मीराबाई द्वारिका में भगवान द्वारिकाधीश रणछोड़ जी के विग्रह में विलीन होकर भगवान श्री.ष्ण के परम धाम चली गई वहीं रासलीला के सातवें दिन की लीला का समापन बांके बिहारी जी के दिव्य आरती और भक्तों में प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर जितेन्द्र सिंह, रामप्रसाद यादव, पवन जैन, प्रमोद गुप्ता, .ष्णमुरारी, सचिन गुप्ता, धीरज जालान, सत्येन्द्र पांडे, विजयकांत मिश्र, विमल अग्रवाल, डॉ अशोक, शिवकुमार केशरी, .ष्ण सेठ, धर्मेश बाबू, प्रदीप जायसवाल, अनिल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

शादी में जरूर आना का नया ट्रेलर जारी, इस दिन दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

राजकुमार राव और कृति खरबंदा की फिल्म शादी में जरूर आना करीब 8 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को 7 मार्च, 2025 को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। अब इससे पहले निर्माताओं ने शादी में जरूर आना का नया ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें आरती (कृति) और सत्तू (राजकुमार) की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। फिल्म का नया ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। शादी में जरूर आना पहली बार 10 नवंबर, 2017 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और यह दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में से एक है। लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 17 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। रत्ना सिन्हा ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। फिल्म की कहानी कमल पांडे ने लिखी है, वहीं विनोद बच्चन और मंजू बच्चन इसके निर्माता हैं। यह फिल्म जी5 पर उपलब्ध है। ऐसे में 7 मार्च को कोई बड़ी रिलीज नहीं है, जिसका फायदा शादी में जरूर आना की री-रिलीज को मिल सकता है। फिल्म का निर्देशन रत्ना सिन्हा ने किया और इसका निर्माण विनोद बच्चन के सौंदर्या प्रोडक्शंस के तहत किया गया। शादी में जरूर आना आरती (कृति द्वारा अभिनीत) की कहानी है, जो सत्तू (राजकुमार द्वारा अभिनीत) के साथ अरेंज मैरिज करने के लिए तैयार होती है, लेकिन शादी के दिन भाग जाती है।

निकिता दत्ता की लेटेस्ट फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में

एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बी-टाउन की ग्लैमरस हसीना निकिता दत्ता आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पर्पल कलर की हॉल्टर नेक लुक में आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

ग्लैम मेकअप, बालों का हाई बन बनाकर और रेड लिपस्टिक लगाकर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कम्प्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस निकिता दत्ता जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

नादानियां का मुख्य गाना जारी, 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। वह काफी समय से अपनी पहली फिल्म नादानियां को लेकर चर्चा में हैं। इसमें इब्राहिम की जोड़ी खुशी कपूर के साथ बनी है।

अब निर्माताओं ने नादानियां का मुख्य गाना जारी कर दिया है, जिसे वरुण जैन, जोनिता गांधी और सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है।

इस गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। गाने में इब्राहिम-खुशी की बेहतरीन केमिस्ट्री दिख रही है। नादानियां 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है। शौना गौतम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म में इब्राहिम ने नोएडा के मध्यमवर्गीय परिवार के एक मेहनती लड़के अर्जुन मेहता का किरदार निभा रहे हैं तो वहीं खुशी इसमें दिल्ली की हिम्मती लड़की पिया जय सिंह की भूमिका में होंगी। खुशी और इब्राहिम के अलावा फिल्म सुनील शेट्टी, महिमा चौधरी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- मदारगढ़, वि0ख0- हैंस्या सतघरवा, जनपद- बलरामपुर

पत्रांक मेनो/ग्राम पंचायत । दिनांक- 02-03-2025

अल्पकालिक निविदा/आपूर्ति सूचना

वित्तीय वर्ष 2024- 2025 में ग्राम पंचायत मदारगढ़ विकासखण्ड हर्रैया सतघरवा के मनरेगा कार्य के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से अधोहस्ताक्षरी के अंतर्गत कार्यालय में निम्नलिखित कार्यों के लिये रजिस्टर्ड फर्म एवं विक्रेताओं से उच्चकोटि की गुणवत्ता युक्त सामग्री जैसे बालू, ईंट, सरिया, मोरंग, गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईंट, फर्नीचर, लोहा इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल पर करने हेतु सीलबंद लिफाफे में निविदा दिनांक 03-03-2025 से दिनांक 06-03- 2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा की जायेगी। उसी दिन समय 3 बजे निविदा आवेदक व प्रतिनिधि के समक्ष ग्राम प्रधान व सचिव के उपस्थिति में खोला जायेगा। ये निविदा वित्तीय वर्ष 2024- 2025 के कार्यों के लिए प्रभावी होगा।

1- पप्पू मिश्रा के घर से सुक्खू के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण।
2- छेदीराम के खेत के पास आर सी सी पुलिया निर्माण।
3- सहजराम के घर से पी डब्लू डी रोड तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।

ग्राम प्रधान/ अध्यक्ष
सोनल चौधरी
ग्राम पंचायत- मदारगढ़
वि0ख0- हर्रैया सतघरवा
जनपद- बलरामपुर

ग्राम पंचायत अधिकारी/सचिव
जगराम सोनकर
ग्राम पंचायत- मदारगढ़,
वि0ख0- हर्रैया सतघरवा,
जनपद- बलरामपुर

ईशान खट्टर और तारा सुतारिया प्यार आता है के लिए हुए रोमांटिक, 7 मार्च को गाना होगा रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता ईशान खट्टर और खूबसूरत अदाकारा तारा सुतारिया अपने नए गाने प्यार आता है में रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगे, इस गाने का टीजर 6 मार्च को रिलीज किया जाएगा, जबकि फुल सॉन्ग 7 मार्च को सुबह 11 बजे प्लेडीएम आधिकारिक के यूट्यूब चैनल पर लॉन्च होगा. ईशान खट्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने का पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह तारा सुतारिया के साथ एक बेहद रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं. पोस्टर में दोनों की शानदार केमिस्ट्री दिखाई दे रही है, जो इस गाने के रोमांटिक थीम को पूरी तरह दर्शाता है. ईशान ने कैप्शन में लिखा, हर लव स्टोरी की एक शुरुआत होती है... और हमारी कल से शुरू हो रही है.

इस गाने को मशहूर सिंगर्स श्रेया घोषाल और रैटो रीबा ने गाया है, जबकि इसके बोल रजत नागपाल ने लिखे हैं. गाने का म्यूजिक राणा सोतल ने दिया है और इसे स्नेहा शेट्टी कोहली ने डायरेक्ट किया है. फैंस इस गाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, वाह! इंतजार नहीं कर सकते श्रेया घोषाल की मैजिकल आवाज सुनने का. वहीं, कई यूजर्स इस रोमांटिक ट्रैक के रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. क्या आप भी ईशान और तारा की इस खूबसूरत जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं? प्यार आता है 7 मार्च को रिलीज होगा, जिसे मिस न करें.

शैंपू से सिर धोने के दो दिन बाद ही बाल चिपचिपे लगते हैं? अपनाएं ये तरीके

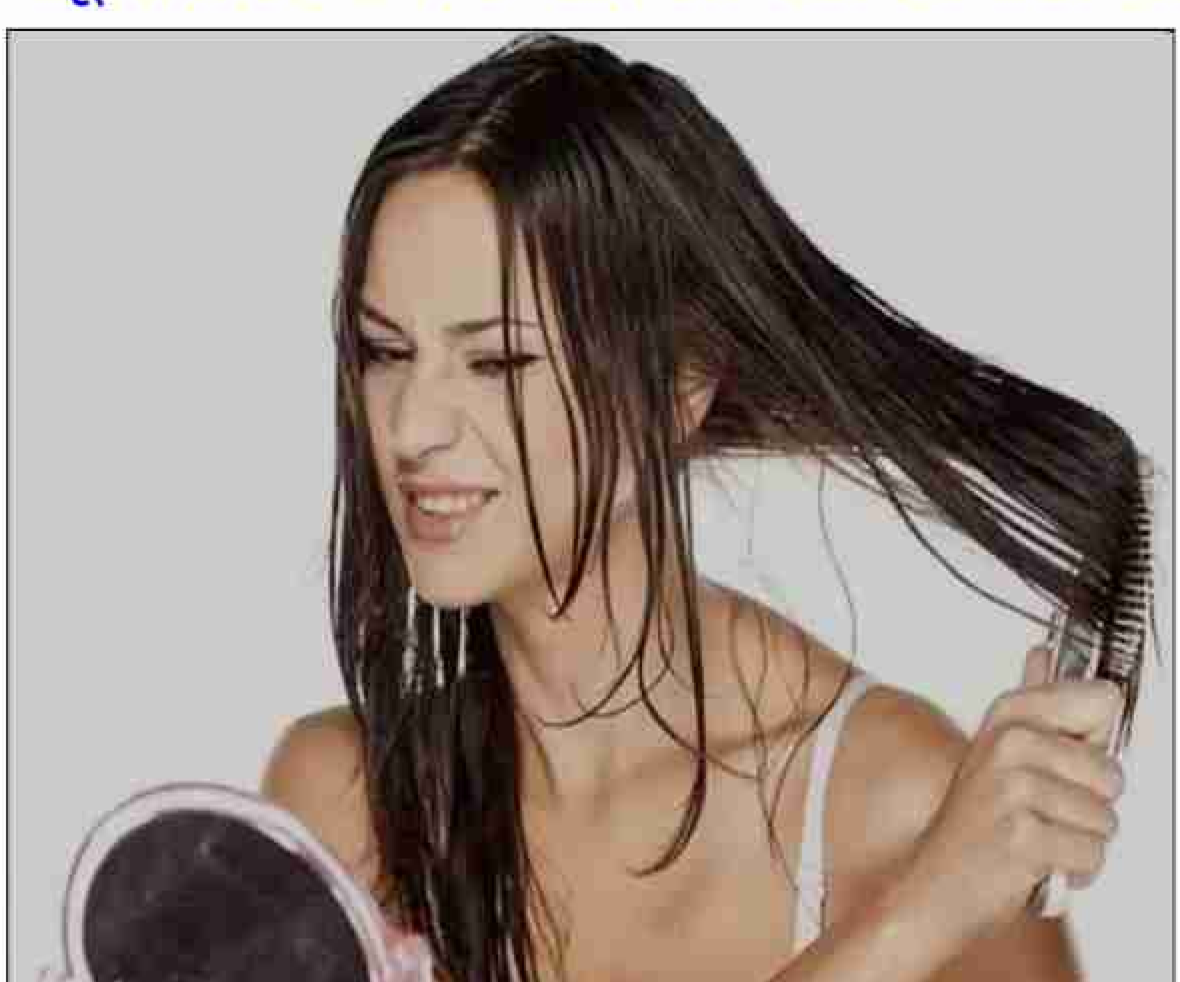

क्या आपके बाल शैंपू करने के दो दिन बाद ही चिपचिपे और बेजान लगने लगते हैं? यह समस्या कई लोगों को होती है।

इसका कारण गलत देखभाल या कुछ आदतें हो सकती हैं, जो आपके बालों की सेहत पर असर डालती हैं। सही तरीके से बालों की देखभाल करके आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

आइए आज हम आपको कुछ टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप बालों को लंबे समय तक साफ रख सकते हैं। सही शैंपू का चुनाव करें, बालों की चिपचिपाहट का एक बड़ा कारण गलत शैंपू का इस्तेमाल हो सकता है। अगर आपके बाल जल्दी चिपचिपे हो जाते हैं तो हल्के और सल्फेट-फ्री शैंपू का चुनाव करें। यह आपके स्कैल्प से अतिरिक्त तेल हटाने में मदद करेगा बिना उसे नुकसान पहुंचाए।

ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा फोम बनाने वाले शैंपू अक्सर अधिक ड्राई कर देते हैं, जिससे स्कैल्प अधिक तेल पैदा करता है।

कंडीशनर का सही इस्तेमाल करें, कंडीशनर का सही इस्तेमाल बालों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। इसे हमेशा बालों के सिरों पर लगाएं, जड़ों पर नहीं।

जड़ों पर कंडीशनर लगाने से स्कैल्प में तेल जमा हो सकता है, जिससे बाल जल्दी चिपचिपे हो सकते हैं। कंडीशनर को अच्छी तरह से धोना भी अहम है ताकि कोई अवशेष न रह जाए। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार रहेंगे, साथ ही चिपचिपाहट की समस्या भी कम होगी।

गर्म पानी से बचें, गर्म पानी से सिर धोने पर स्कैल्प के प्राकृतिक तेल तेजी से निकल जाते हैं, जिससे स्कैल्प अधिक तेल पैदा करने लगता है और बाल जल्दी चिपचिपे हो जाते हैं।

इसलिए हमेशा गुनगुने या ठंडे पानी का ही इस्तेमाल करें ताकि स्कैल्प का तेल संतुलित रहे और बाल लंबे समय तक साफ रहें।

यह तरीका आपके बालों को मुलायम और चमकदार बनाए रखता है, जिससे वे स्वस्थ दिखते हैं।

नियमित रूप से ब्रश करें, बालों को नियमित रूप से ब्रश करना जरूरी है क्योंकि इससे स्कैल्प में जमा प्राकृतिक तेल पूरे बालों में फैल जाता है, जिससे वे स्वस्थ और कम चिपचिपे दिखते हैं।

ब्रशिंग से खून का संचार भी बेहतर होता है, जो बालों को मजबूत बनाता है। ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा ब्रश करना नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि इससे बाल टूट सकते हैं।

संतुलित मात्रा में ब्रश करें ताकि आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

सूखे शैंपू का उपयोग करें, अगर आपके पास रोजाना बाल धोने का समय नहीं है तो सूखा शैंपू एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

यह आपके बालों में जमा अतिरिक्त तेल को तुरंत सोख लेता है, जिससे वे ताजगी भरे और साफ दिखते हैं। इसे स्कैल्प पर हल्के से छिड़कें और उंगलियों से मालिश करें ताकि तेल अच्छी तरह से सोख लिया जाए। यह तरीका खासतौर पर उन दिनों के लिए उपयोगी होता है जब आप जल्दी में हों या यात्रा कर रहे हों। खान-पान पर ध्यान दें, आपके आहार का सीधा असर आपकी त्वचा और बालों पर पड़ता है।

अगर आप ज्यादा तैलीय भोजन खाते हैं तो आपकी त्वचा और स्कैल्प अधिक तैलीय हो सकते हैं। इसलिए संतुलित आहार लेना जरूरी है। अपने खाने में हरी सब्जियां, फल और पर्याप्त मात्रा में पानी शामिल करें। इससे आपकी त्वचा और स्कैल्प स्वस्थ रहेंगे और बालों की चिपचिपाहट भी कम होगी।

सही पोषण से बालों की जड़ें मजबूत होती हैं, जिससे बाल लंबे समय तक साफ रहते हैं।